NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance
specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 13 अंक: 108 लखनऊ, शुक्रवार 01 दिसंबर 2023 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

दुबई रवाना होने से पहले बोले पीएम मोदी, जलवायु हमारी प्राथमिकता में सबसे ऊपर

एजेंसी।

नई दिल्ली प्रधानमंत्री ने कहा कि सीपीओ 28 पेरिस समझौते के तहत हुई प्रगति की समीक्षा करने और जलवायु कार्रवाई पर भविष्य के पाठ्यक्रम के लिए एक रास्ता तैयार करने का अवसर भी प्रदान करेगा। भारत द्वारा आयोजित वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन में, ग्लोबल साउथ ने समानता, जलवायु न्याय और सामान्य लेकिन विभेदित जिम्मेदारियों के सिद्धांतों के आधार पर जलवायु कार्रवाई की आवश्यकता के साथ–साथ अनुकूलन पर अधिक ध्यान देने की बात कही। विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दुबई, संयुक्त अरब अमीरात की

अपनी यात्रा से पहले, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति और अबू धाबी के शासक, मेरे भाई शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के निमंत्रण पर, मैं 1 दिसंबर 2023 को सीओपी–28 के विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दुबई की यात्रा कर रहा हूं। मुझे यह देखकर खुशी हो रही है यह महत्वपूर्ण आयोजन संयुक्त अरब अमीरात की अध्यक्षता में हो रहा है, जो जलवायु कार्रवाई के क्षेत्र में भारत का एक महत्वपूर्ण भागीदार रहा है। मोदी ने कहा कि हमारे सभ्यतागत लोकाचार को ध्यान में रखते हुए, भारत ने हमेशा सामाजिक और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाते हुए जलवायु कार्रवाई पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि हमारी ळ20 अध्यक्षता के दौरान, जलवायु हमारी प्राथमिकता में सबसे ऊपर थी। नई दिल्ली के नेताओं की घोषणा में जलवायु कार्रवाई और सतत विकास पर कई ठोस कदम शामिल हैं। मुझे उम्मीद है कि सीओपी–28 इन मुद्दों पर आम सहमति को आगे बढ़ाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि ब्व्28 पेरिस समझौते के तहत हुई प्रगति की समीक्षा करने और जलवायु कार्रवाई पर भविष्य के पाठ्यक्रम के लिए एक रास्ता तैयार करने का अवसर भी प्रदान करेगा। भारत द्वारा आयोजित वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन में, ग्लोबल साउथ ने समानता, जलवायु न्याय और सामान्य लेकिन विभेदित जिम्मेदारियों के सिद्धांतों के आधार पर जलवायु कार्रवाई की आवश्यकता के साथ–साथ अनुकूलन पर अधिक ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि विकासशील दुनिया के प्रयासों को पर्याप्त जलवायु वित्तपोषण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के साथ समर्थन दिया जाए। सतत विकास हासिल करने के लिए

2024 से पहले विपक्ष शासित राज्यों पर अमित शाह का फोकस

तेलंगाना में जैसे ही चुनाव प्रचार समाप्त हुआ, अपनी पूरी ताकत लगाने के बाद गृह मंत्री अमित शाह भाजपा के लिए पश्चिम बंगाल पहुंच गए। कहीं ना कहीं इससे साफ तौर पर जाहिर होता है कि अमित शाह गैर भाजपा शासित राज्यों पर 2024 से पहले पूरी तरीके से फोकस करना चाहते हैं। पांच राज्यों का चुनावी शोर लगभग समाप्त हो चुका है। 3 तारीख को इन पांचो ही राज्यों के नतीजे भी आ जाएंगे। इन पांचो राज्यों के विधानसभा चुनाव को 2024 के पहले का सेमी फाइनल माना जा रहा है। 3 तारीख को जब चुनावी नतीजे आएंगे उसके बाद 2024 चुनाव की रणनीति तैयार करने में राजनीतिक दल जुटेंगे। हालांकि, भाजपा की रणनीति इस वक्त साफ दिखाई दे रही है। तेलंगाना में जैसे ही चुनाव प्रचार समाप्त हुआ, अपनी पूरी ताकत लगाने के बाद गृह मंत्री अमित शाह भाजपा के लिए पश्चिम बंगाल पहुंच गए। कहीं ना कहीं इससे साफ तौर पर जाहिर होता है कि अमित शाह गैर भाजपा शासित राज्यों पर 2024 से पहले पूरी तरीके से फोकस करना चाहते हैं। अमित शाह बुधवार को पश्चिम बंगाल दौरे पर थे। उन्होंने ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। अमित शाह का यह दौरा तब हुआ था जब पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी को स्पीकर बिमान बनर्जी के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देने के मामले में पूरे शीतकालीन सत्र से सस्पेंड कर दिया गया है। इतना ही नहीं, अमित शाह की रैली के लिए पश्चिम बंगाल बीजेपी को हाई कोर्ट से परमिशन

लेनी पड़ी थी। पश्चिम बंगाल पुलिस ने रैली की अनुमति देने से साफ तौर पर इंकार कर दिया था जिससे की ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ भाजपा और भी आक्रामक हो गई थी। अपनी इस रैली के जरिए अमित शाह ने पश्चिम बंगाल कार्यकर्ताओं को साफ तौर पर संदेश दे दिया कि हम आपके साथ हैं, आपको किसी भी कीमत पर पीछे हटने की जरूरत नहीं है। साथ ही बंगाल भाजपा में चल रही मतभेदों को भी उन्होंने कम करने की कोशिश की और पार्टी नेताओं को 2024 चुनाव पर ध्यान देने को कहा। ममता पर आरोप शाह ने कहा कि सोनार बांगला और मां माटी मानुष के नारे के साथ कम्युनिस्टों को हटाकर ममता दीदी सत्ता में आई। लेकिन बंगाल में कोई परिवर्तन नहीं हुआ। आज भी बंगाल में घुसपैठ, तुष्टिकरण, राजनीतिक हिंसा, भ्रष्टाचार हो रहा है।

मामला झूठा था इसलिए न्यायालय ने किया व इज्जत बरी - ओम प्रकाश साहू

प्रदीप वर्मा जिला संवाददाता झांसी झांसी!! कहते हैं कि अपराध कितना भी छुपाओ पर छुपता नहीं और यदि इंसान बेगुनाह है तो कभी फसता नहीं स हत्या के एक मामले आरोपी बनाए गए व्यक्ति ने जेल की यातनाएं भी सही और परिवार की घृणा भी पर 5 साल बाद न्यायालय का जब फैसला आया तो उसे बरी कर दिया गया।

झांसी के डडियापुरा शिवाजी नगर निवासी ओम प्रकाश साहू को मध्य प्रदेश पृथ्वीपुर पुलिस ने वर्ष 2018 में उनके ही सगे साले के अपहरण के मामले में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया था 5 साल तक न्यायालय में सुनवाई के बाद विगत 28 नंबर को न्यायालय प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश निवाड़ी ने उन्हें बरी कर दिया है पत्रकारों को जानकारी देते हुए ओम प्रकाश साहू ने बताया कि तहसील पृथ्वीपुर जिला निवाड़ी में उनकी ससुराल है विगत 3–8 2018 को उनका बड़ा साला महेंद्र साहू पुत्र सुखनंदन साहू निवासी पृथ्वीपुर कहीं लापता हो गया जिसे ओमप्रकाश साहू व ससुराल जिन्होंने मिलकर तमाम जगह उसकी खोजबीन की परंतु उसका कहीं पता नहीं चला इसके बाद थाना पृथ्वीपुर में ओमप्रकाश साहू और उनके ससुराल वालों ने पुलिस को बताया कि 3 अगस्त को 11रू00 बजे सफेद कलर की एक गाड़ी उनके घर आई और साले को अपने साथ लेकर कहीं चली गई, इसके बाद तभी से उनका पता नहीं है। पुलिस ने शिकायती पत्र के आधार पर महेंद्र के अपहरण का मुकदमा पंजीकृत कर लिया ओम प्रकाश साहू ने बताया कि उनका साले से पैसे का लेनदेन था इस बात को लेकर एक दिन ससुराल में कुछ वाद विवाद हुआ और मामला शांत हो गया।

परंतु महेंद्र की पत्नी ने किसी के बहकावे में आकर मेरे विरुद्ध पृथ्वीपुर थाने में अपने पति की हत्या का मुकदमा पुलिस से साथ गांठ कर और झूठे साक्षी के आधार पर दर्ज करा दिया , पृथ्वीपुर पुलिस ने ओमप्रकाश साहू को आरोपी बनाते हुए 24 –10 –2019 में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया ।जेल में सात माह बीतने के बाद किसी तरह ओम प्रकाश साहू जमानत पर बाहर आए, मामला न्यायालय में चलता रहा महेंद्र की हत्या के साक्ष्य ओम प्रकाश साहू के ससुरालजन के द्वारा पुलिस को उपलब्ध कराए गए थे और जो गवाह प्रस्तुत किए गए थे वह मनगढ़ंत व झूठे साबित हुए और विगत 28 नवंबर 2023 को ओम प्रकाश साहू को न्यायालय व इज्जत बरी कर दिया । ओम प्रकाश साहू का कहना है कि मैंने कोई अपराध नहीं किया था इसलिए परमपिता परमेश्वर और माता रानी की कृपा से न्यायालय प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एमएल राठौर निवाड़ी के द्वारा मुझे बरी कर दिया गया। उन्होंने कहा कि मामला झूठा था इसलिए मुझे इंसाफ मिला है और मैं अपने वकील मानवेंद्र सिंह चौहान जी का बहुत आभारी हूं जिन्होंने मेरी सच्चाई का मुकदमा लड़ा और मुझे न्याय मिला इसके साथ ही मैं अपने ससुराल पक्ष और अपने साले की पत्नी से भी किसी तरह का गिला शिकवा नहीं रखता हूं क्योंकि जो कुछ हुआ उनकी भूल थी और जिसका पति चला जाए उसकी मनोदशा बिगड़ जाती है ।मुझे लगता है कि मेरे साले की पत्नी से भी गलती हुई ।इसलिए अब उनसे भी मेरा किसी तरह का कोई बैर नहीं रहेगा।

क्या केजरीवाल के जेल जाने का समय आ चुका है ? आप का हस्ताक्षर अभियान तो यही संकेत दे रहा है

एजेंसी।

नई दिल्ली दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय ने कहा कि केजरीवाल जेल से सरकार चलाएं या जेल जाने पर इस्तीफा दें, इसके बारे में आम आदमी पार्टी एक से 20 दिसंबर के बीच हस्ताक्षर अभियान चलाएगी तो यह सवाल उठा कि क्या केजरीवाल के जेल जाने का समय आ चुका है। क्या दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल जाने वाले हैं? क्या पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और राज्यसभा सांसद संजय सिंह की तरह अरविंद केजरीवाल भी जल्द हो सकते हैं जेल की सलाखों के पीछे? यह सब सवाल इसलिए उठे हैं क्योंकि दिल्ली में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी ने तय किया है कि वह दिल्लीवासियों के बीच एक हस्ताक्षर अभियान चला कर इस बारे में उनकी प्रतिक्रिया लेगी कि यदि केजरीवाल जेल जाते हैं तो उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए या जेल से ही सरकार चलानी चाहिए? हम आपको बता दें कि आम आदमी पार्टी कोई भी बड़ा फैसला करने से पहले इस तरह जनता की प्रतिक्रिया लेती है। यही नहीं राज्यों में मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार तय करने से पहले भी ऑनलाइन पोलिंग के माध्यम से जनता की प्रतिक्रिया ली जाती है। इसलिए जब आज दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय ने कहा कि केजरीवाल जेल से सरकार चलाएं या जेल जाने पर इस्तीफा दें, इसके बारे में आम आदमी पार्टी एक से 20 दिसंबर के बीच हस्ताक्षर अभियान चलाएगी तो यह सवाल उठा कि क्या केजरीवाल के जेल जाने का समय आ चुका है? हम आपको बता दें कि आम आदमी पार्टी ने कहा है कि वह हस्ताक्षर अभियान के दौरान लोगों की प्रतिक्रिया लेगी कि भाजपा की साजिश के तहत गिरफ्तार किए जाने की स्थिति में क्या अरविंद केजरीवाल को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। गोपाल राय ने आरोप लगाया कि भाजपा ने आप को खत्म करने की उम्मीद से केजरीवाल को ष्फर्जीष् शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार करने का षड्यंत्र रचा है। राय पार्टी सांसद राघव चड्ढा के साथ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। राय ने कहा कि शुक्रवार से ''मैं भी केजरीवाल'' अभियान

के तहत, पार्टी के स्वयंसेवक दिल्ली के सभी 2,600 मतदान केंद्रों पर जाएंगे और लोगों के हस्ताक्षर लेते हुए उनकी राय पूछी जाएगी कि अगर केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया गया तो क्या उन्हें मुख्यमंत्री का पद छोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने पार्टी विधायकों और पार्षदों से मुलाकात कर इस मुद्दे पर उनकी राय मांगी थी और इस बात पर सर्वसम्मति थी कि उन्हें इस्तीफा नहीं देना चाहिए और जेल से ही सरकार चलानी चाहिए। राय ने कहा कि पार्टी 21 दिसंबर से 24 दिसंबर के बीच शहर के हर वार्ड में जनसंवाद आयोजित करेगी, जिसमें लोगों से कथित शराब घोटाले के साथ–साथ केजरीवाल को गिरफ्तार कराने की भाजपा की साजिश पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोगों की राय भी ली जाएगी कि अगर केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया तो क्या उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए। हम आपको याद दिला दें कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस महीने की शुरुआत में केजरीवाल को कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था। केजरीवाल जांच एजेंसी के समक्ष पेश नहीं हुए थे और मांग की थी कि उसे अपना नोटिस वापस लेना चाहिए। उन्होंने दावा किया था कि यह ष्अवैध और राजनीति से प्रेरित कदम है।

कांग्रेसियो ने उत्तर प्रदेश में 450 रुपए में मांगा गैस सिलेंडर

प्रदीप वर्मा जिला संवाददाता (झांसी) झांसीरू उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर गुरुवार को शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को भेंट किया। जिसमें माध्यम से कांग्रेसियो ने कहा कि केंद्र की भाजपा द्वारा अभी हाल में राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में अपने जुमलों का पिटारा खोलते हुए राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ में क्रमशः 450 एवं 500 रुपये में गैस सिलेंडर देने का वादा किया है। परन्तु जिन राज्यों में इनकी सरकार है वहां पर घरेलु गैस सिलेंडर अभी भी बढ़े हुए दामों पर मिल रहे हैं जिससे आम लोगो को अपना घर चलाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उत्तर प्रदेश में इनकी डबल इंजन की सरकार होते हुए भी आमजन को मंहगे दामों पर गैस खरीदना पड़ रहा है। जहां चुनाव है वहां इनके द्वारा सस्ते दामों पर गैस सिलेंडर देने की घोषणा एवं जहां इनकी सरकार है वहां मंहगे दामों पर गैस सिलेंडर मिलना इनका दोहरे चरित्र को उजागर करता है। जिस प्रकार अन्य राज्यों में इनके द्वारा रुपये 450 में सिलेंडर देने का वादा किया जा रहा है । उन्होनें उत्तर प्रदेश में भी आमजन को रुपये 450 में प्रति सिलेंडर दिये जाने हेतु महामहिम राज्यपाल से उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार को निर्देशित किये जाने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, शहर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, पी सी सी सदस्य इदरीश खान व बलवान सिंह यादव , अरविंद बब्लू, राजकुमार सेन, वीरेंद्र सिंह कुशवाहा, अमीर चंद आर्य, अब्दुल जाबिर, हरिओम श्रीवास , छोटे राजा कमर, इंजी. शाहरुख खान, राजकुमार फौजी, पार्वती चौधरी, हिमांशु बाजपेई, जसवंत अनुरागी, अशोक कन्सौरिया, गिरजा शंकर राय, घनश्याम दास वर्मा,सूर्य प्रकाश राय, हरीराम वर्मा, सईदा बेगम,शैलेंद्र वर्मा, रामसेवक, दिनेश वर्मा,पवन राज, महमूद, वीरेंद्र अहिरवार,कमलेश कुमार,इमरान खान, रफीक खान आदि मौजूद रहें।

राम राजा सरकार के देश में झूठे वादों का कोई स्थान नहीं है - भानु सहाय

झाँसी । बुंदेलखंड निर्माण मोर्चा के अध्यक्ष भानू सहाय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी के द्वारा भेंट किया गया स ज्ञापन में कहा गया की गत लोकसभा (2014) चुनाव में झांसी–ललितपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती, राजनाथ सिंह एवं प्रधानमंत्री ने बुन्देलखंड राज्य 3 साल के भीतर बनवा देने का वादा बुन्देलखंड की जनता ने किया था। 3 साल की जगह 9 साल 7 माह पूरे हो गए है। उत्तर प्रदेश सरकार ने सात जनपदों क्रमशः झांसी, बाँदा, जालौन, हमीरपुर, ललितपुर, चित्रकूट एवं महोबा को मिलाकर बुन्देलखंड विकास बोर्ड का गठन किया है। इसी प्रकार मध्य प्रदेश सरकार ने सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, दमोह, पन्ना, दतिया एवं निवाड़ी को मिलाकर बुन्देलखंड विकास प्राधिकरण का गठन किया है। इन्ही समस्त जिलों को बुन्देलखंड मानकर केंद्र सरकार ने बुन्देलखंड पैकेज दिया था।

इन क्षेत्रों के साथ लहार, पिछोर, करेरा, गोहांड, चंदेरी, गंजबासौदा, कटनी, सतना का चित्रकूट आदि क्षेत्रों को जोड़कर अखंड बुन्देलखंड राज्य का निर्माण किया जाना चाहिये। बुंदेलिओ का सब्र अब टूटता जा रहा, कही ऐसा न हो कि 2024 के आम चुनाव में कथनी और करनी के अन्तर के कारण खामियाजा भुगतना पड़ जायेगा । ज्ञापन भेंट करने वालों मे एडवोकेट अशोक सक्सैना, रघुराज शर्मा, वरूण अग्रबाल, कुँअर बहादुर आदिम, हनीफ खान, प्रदीप नाथ झाँ, अनुराग मिश्रा, अनिल कश्यप, सन्तोष द्विवेदी बंटी, नरेश वर्मा, विकास पुरी, प्रेम सपेरा, अरूण रायकवार, गोविन्द सोनकर, प्रदीप गुर्जर, सईदा बेगम, शंकर रायकवार, प्रभूदयाल कुशवाहा, राम गुप्ता, बादशाह कुरैशी आदि।

दूषित आयुर्वेदिक सिरप पीने से पांच की मौत, दो अस्पताल में भर्ती, दुकानदार समेत तीन गिरफ्तार

एजेंसी।

गुजरात खेड़ा के पुलिस अधीक्षक राजेश गढ़िया ने कहा, एक ग्रामीण के रक्त के नमूने की रिपोर्ट से पुष्टि हुई है कि सिरप बेचने से पहले उसमें मिथाइल अल्कोहल मिलाया गया था।ष इसके साथ ही उन्होंने बताया कि पिछले दो दिनों के दौरान सिरप पीने से जहां पांच लोगों की जान जा चुकी है, वहीं दो का अभी भी इलाज चल रहा है। गुजरात के खेड़ा जिले में मिथाइल अल्कोहल युक्त दूषित आयुर्वेदिक सिरप के संदिग्ध सेवन के बाद पिछले दो दिनों में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है और दो को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने इस बात की जानकारी दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रारंभिक जांच से पता चला है कि श्कालमेघासव – आसव अरिष्टश नाम से ब्रांडेड आयुर्वेदिक सिरप, गुजरात के खेड़ा जिले के नडियाद शहर के पास बिलोदरा गांव में एक दुकानदार द्वारा काउंटर पर लगभग 50 लोगों को बेचा गया था। खेड़ा के पुलिस अधीक्षक राजेश गढ़िया ने कहा, एक ग्रामीण के रक्त के नमूने की रिपोर्ट से पुष्टि हुई है कि सिरप बेचने से पहले उसमें मिथाइल अल्कोहल मिलाया गया था।ष इसके साथ ही उन्होंने बताया कि पिछले दो दिनों के दौरान सिरप पीने से जहां पांच लोगों की जान जा चुकी है, वहीं दो का अभी भी इलाज चल रहा है। हमने आगे की पूछताछ के लिए दुकानदार सहित तीन लोगों को हिरासत में लिया है। आपको बता दें कि मिथाइल अल्कोहल एक जहरीला पदार्थ है। अधिकारियों के मुताबिक, शराब के आदी लोग कभी–कभी ऐसे औषधीय सिरप का दुरुपयोग करते हैं। गौरतलब है कि गुजरात में शराबबंदी लागू है। अधिकारी ने कहा, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि सभी पांच मौतें कालमेघासव के संदिग्ध सेवन से जुड़ी थीं। दुकान के मालिक किशन सोढ़ा ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि उन्होंने पिछले एक सप्ताह में लगभग 50 लोगों को सिरप की बोतलें बेची हैं। गढ़िया ने कहा, उसने उन्हें 100 रुपये में खरीदा और 130 रुपये में बेच दिया। उन्होंने कहा कि किशन के पिता सांकलभाई और बिलोदरा के एक अन्य निवासी बलदेव सोढ़ा ने भी इस सिरप का सेवन किया था और दोनों वर्तमान में उपचाराधीन हैं। सांकलभाई के रक्त परीक्षण में मिथाइल अल्कोहल की उपस्थिति की पुष्टि हुई, जिसका अर्थ है कि रसायन को सिरप में जोड़ा गया था...यह जांच का विषय है कि इसे किस स्तर पर जोड़ा गया था।

वाहनों की आमने सामने जोरदार टक्कर,3 लोग हुए घायल

झांसी! टहरोली जानकारी के अनुसार थाना टहरौली एवं तहसील क्षेत्र के खिल्लाबारी में गुरसराय की तरफ जा रही स्विफ्ट गाड़ी एवं मारुति वैन क्रमांक up 93 BC 1356 में आमने–सामने जोरदार टक्कर हो गई टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों गाड़ियों के पर परखच्चे उड़ गए वहीं तीन लोग घायल हो गए मौके पर पहुंचे राहगीरों ने घायलों को उपचार के लिए चिरगांव भेज दिया है राहगीरों के द्वारा टहरौली पुलिस को भी सूचना दे दी गई है

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अंकित शुक्ला ने गरीब परिवारों को गर्म कपड़े व कंबल वितरित किए कहा सक्षम लोग मदद को आगे आएं

निर्धन परिवारों की मदद में आगे आई सामाजिक संस्था बाटे गर्म कपड़े और कम्बल अंकित शुक्ला

संवाददाता लखनऊ गरीब निर्धन परिवारों को ठंड से बचाने के लिए सामाजिक संस्था राष्ट्रीय सैनिक छात्र सेवा परिषद आगे आकर कम्बल व गर्म कपड़े वितरित का काम शुरू कर दिया बढ़ती ठंडी को देखते हुए गांव एवं शहर के विभिन्न जगह पर जरूरत मंद परिवार को चिन्हित कर पांच सौ से ज्यादा गरीबों को कंबल एवं कपड़े बांटे गए समाज हित के लिए बनाई गई इस संस्था की ओर से गरीब पुरुषों को कपड़े एवं गरीब महिलाओं को कंबल बांटे गए संस्था अध्यक्ष अंकित शुक्ला ने बताया कि शीतलहर और सर्द हवाओं से कड़कती ठंड की वजह से सड़क किनारे सोने वाले लोग खुद को इससे बचाते हुए नजर आए ऐसे में संस्था की ये टीम अपनी गाड़ी में राहत सामग्री और कंबल लेकर ठंड से बचाते हुए इन बेघर लोगों को दिखें शहर के आस पास लोगों के बीच पहुंचकर कंबल वितरण किया ठंड से कंपकंपा रहे लोगों को जब रात में अचानक कंबल मिला तो ये लोग कंबल पाकर खुश हो गये और इन युवाओं की संस्था को धन्यवाद करते हुए भावुक हो गए लाभार्थी ने शीतलहर की इस रात दिन में उनका हाल चाल देखने आए और कंबल देकर मदद करने पर वे लोग थोड़ी देर के लिए भावुक हो गए सर्दी में पचास दर्जन से अधिक कंबल वितरण किया गया उन्होंने कहा कि भीषण ठंड को देखते हुए कंबल वितरण निरंतर जारी रहेगा देर रात कंबल वितरण होता देख लोगों ने कहा कि कम्बल वितरण कर सर्दी से ठिठुरते गरीब असहाय के चेहरे पर मुस्कान ला दी संस्था अध्यक्ष अंकित शुक्ला ने बताया कि हमारी टीम छोटी हैं और हम सब अपनी कमाई के पैसे से मिलकर ये काम करते है हम सब इस समाज से बहुत कुछ लेते है और हमारा ये फर्ज है कि हमें जितना मिला है उसका कुछ अंश इस समाज को जरूर लौटाएं साथ ही इनकी टीम ने खुले आसमान के नीचे रात गुजारते गरीबों को यह एहसास दिलाया कि समाज मे मानवता खत्म नहीं हुई है संस्था अध्यक्ष अंकित शुक्ला ने बताया कड़ाके की सर्दी में एक क्षण बिना गर्म कपड़ों के बिताना नामुमकिन सा है ऐसे में संस्था की मुहिम ओढ़ा दो जिंदगी अभियान के तहत लगातार जरूरतमंदों को गर्म कपड़े एवं कंबल वितरण कर रही है विभिन्न जगहों पर सैकड़ो ऐसे बच्चे है जिनको पढ़ाई का अटूट जज्बा है पर सर्द थपेड़े इस जज्बों को हर वर्ष तोड़ देते है सर्द के मौसम में गरीब बच्चे पढ़ाई करने नहीं आते उन्होंने बच्चों और शिक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी जताई जो समय समय पर बच्चों के भविष्य और विकास के लिए प्रायत्नरत रहती है उन सैकड़ो बच्चों को गर्म कपड़े वितरित किया इस अवसर पर अंकित शुक्ला ने इस सर्दी में बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए एवं ठंड से बचाव के सम्बंध में बच्चों को हेल्थ टिप्स दिया संस्था अध्यक्ष अंकित शुक्ला ने कहा कि शिक्षा की ज्योति को प्राप्त करने में सर्द थपेड़े हौसला न तोड़े, यह हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है उन्होंने कहा कि जनसेवा एक सोच नही संकल्प है वह संकल्प जो आपने खुद से किया हो इस ठण्ड में गर्म कपड़े पाकर बच्चों के चेहरे पर जो खुशियां है वह उनके हौसले एवं प्रतिभा निश्चित रूप बढ़ाएगा कार्यक्रम में मोहित शुक्ला अजीत लल्लू अश्वनी सोनू मनीष सिंह जतिन अमन सिंह सत्यम सिंह दिलीप कमल पप्पू प्रमोद मनोज अन्य मौजूद

पोर्टल से श्रमिकों के कल्याण हेतु वसूले जाने वाले उपकर का डिजिटल संग्रह संभव हो सकेगा

देश के निर्माण में श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका - अनिल राजभर

श्रम एवं सेवायोजन मंत्री ने किया उपकर संग्रहण के लिए बनाए गए पोर्टल का उद्घाटन

संवाददाता।

लखनऊ । प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने इंडियन बैंक द्वारा उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण द्वारा श्रमिकों के कल्याण हेतु वसूले जाने वाले उपकर संग्रहण के लिए बनाए गए पोर्टल का उद्घाटन आज यहां विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस पोर्टल से श्रमिकों के कल्याण हेतु वसूले जाने वाले उपकर का डिजिटल संग्रह संभव हो सकेगा, जिससे संबंधित इस संबंध में डेटा का अपडेटेड रख–रखाव किया जाना आसान हो जाएगा।

श्रम मंत्री ने कहा कि देश के निर्माण और अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाने में श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से 'श्रमेव जयते' के नारे के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार श्रमिकों के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। प्राथमिकता पर किसानों और मजदूरों के हितलाभ की योजनायें चलाते हुए उनके जीवन शैली को बेहतर से बेहतर बनाने का कार्य किया जा रहा है और निश्चित ही यह पोर्टल श्रमिकों के बहुमुखी विकास की कड़ी में अभूतपूर्व भूमिका निभायेगा। उन्होंने कहा कि प्रभावी तरह से उपकर संग्रह के निरन्तर प्रयास से ही सार्थक परिणाम आयेंगे। श्रम मंत्री ने कहा कि देश के विकास में श्रमिकों का बहुत बड़ा योगदान है। श्रमिकों के कल्याण के लिए सामूहिक प्रयास किये जा रहे हैं, ताकि उनके और उनके परिवार, बच्चों के जीवन को बेहतर बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश बहुत बड़ा प्रदेश है, इसलिए यहाँ चुनौतियां भी कम नहीं है। उन्होंने कहा कि उपकर संग्रह एक बहुत बड़ी चुनौती है, जिसे सभी के प्रयास से ही सरल, सुगम और पारदर्शी भी बनाया जा सकेगा। उन्होंने कहा इस पोर्टल को सफल बनाने के लिए लोगों को जागरूक करें। तभी इसकी सार्थकता सिद्ध होगी।

श्रम एवं सेवायोजन राज्यमंत्री मन्नू कोरी ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता श्रमिकों का विकास करना हैं। यह पोर्टल प्रदेश को डिजिटल बनाने के साथ–साथ प्रदेश के श्रमिकों के "श्रम को सम्मान" देना भी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को डिजिटल बनाने की दिशा में यह पोर्टल इंडियन बैंक का एक महत्वपूर्ण प्रयास सिद्ध होगा। प्रमुख सचिव श्रम अनिल कुमार ने कहा कि इस पोर्टल के माध्यम से सेस कलेक्शन सुगमतापूर्वक प्राप्त किया जा सकेगा और इसकी सतत् निगरानी भी की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए आवश्यक है कि समस्त प्रक्रिया ऑनलाइन हो, तभी वास्तविकता में इसका लाभ लिया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि उपकर संग्रह पोर्टल के माध्यम से उपकर जमा करने की प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाया जा रहा है, जिससे श्रमिकों को अधिक से अधिक लाभ पहुँचाया जा सकेगा। बी0ओ0सी0डब्ल्यू0 सचिव निशा अनंत ने कहा कि सरकार श्रमिकों के कल्याण के लिए निर्माण कार्य से जुड़ी संस्थाओं और कंपनियों से 01 प्रतिशत का उपकर वसूल करती है, जिसे श्रमिकों के कल्याण में लगाया जाता है। इस पोर्टल के माध्यम से मजदूरों के कल्याणकारी योजनाओं (बीमा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, शिक्षा, आपदा राहत आदि) में खर्च किए जाने के लिए वसूले जाने वाले उपकर के संग्रह करने में अधिक पारदर्शिता आएगी और श्रमिकों के लिए अधिक धनराशि उपलब्ध हो सकेगी।

तिब्बती मानते हैं भारत को गुरु- अखिलेश यादव

संवाददाता।

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से निर्वासित तिब्बती संसद के सांसदों के एक प्रतिनिधिमण्डल ने भेंट कर तिब्बत के मौजूदा हालात और चीन द्वारा उसकी स्वतंत्रता हड़पे जाने के सम्बंध में विस्तृत चर्चा की। तिब्बती सांसदों की समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष से यह दूसरी भेंट है। इ

तिब्बत के संसदीय प्रतिनिधिमण्डल में लोपेन थुपटेन ग्यात्सेन, बांगडू डोरजी तथा पेमा चो (सभी सांसद) थे। उन्होंने अखिलेश यादव से हुई अपनी वार्ता को आशानुकूल और सकारात्मक बताया। उन्होंने तिब्बत के सम्बंध में समाजवादी पार्टी के समर्थक रूख के लिए आभार जताया। अखिलेश यादव ने उनका धन्यवाद जताया। तिब्बत के सांसदों ने बताया कि सन् 1959 से पहले तिब्बत स्वतंत्र राज्य था। तिब्बती भारत को गुरु मानते हैं। चीन में बौद्ध धर्म का प्रसार गुरू पद्मसंभव ने किया। छठी शताब्दी में तिब्बत बहुत शक्तिशाली था। हजारों वर्ष की संस्कृति, धर्म और सभ्यता पर चीन ने हमला कर उसको नष्ट करने की साजिश की है। चीन के अन्याय और शोषण से लोग त्रस्त है। यहां की स्थिति गंभीर है। अपनी ताकत के बल पर चीनी शासक तिब्बतियों को दुनिया में बदनाम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बौद्ध धर्म तथा समृद्ध साहित्य को बचाने का संघर्ष आज भी जारी है। सांसदों ने बताया कि तिब्बत कुदरत का खजाना है। भारत में वहां से 10 नदियां आती है। इसकी समृद्ध विरासत को नष्ट किया जाने लगा है। शिक्षा और धर्म पर हमला हो रहा है। चीन पड़ोसी राज्यों के लिए भी खतरा बना हुआ है। चीन ने अक्साईचीन भारत से छीन लिया। अरूणाचल प्रदेश पर भी चीन की बुरी नजर है। चीन ने 1949 में अपना राष्ट्रीय दिवस मनाया था। तिब्बत से दोस्ती का नाम लेकर चीनी आए थे बाद में उन्होंने धोखे से कब्जा कर लिया। तिब्बत के सांसदों ने कहा कि तिब्बत की स्थिति बद–से–बदतर होती जा रही है। लगभग 60 लाख तिब्बती अपमानजनक जीवन जी रहे हैं। चीनी शासन में 12 लाख से अधिक तिब्बती मारे गए है। 6 हजार से अधिक मठ नष्ट किए गए हैं। तिब्बत में 75 लाख चीनी बसा दिए गए हैं। तिब्बत एक बड़े सैनिक अड्डे में तब्दील हो गया है। उन्होंने कहा कि तिब्बत भारत–चीन के बीच बफर स्टेट था जिसके न रहने से भारत–चीन के रिश्तों पर गंभीर असर हुआ है। चीन ने 1962 में भारत पर हमला कर अपना विश्वासघाती रूप दिखाया। चीन ने तिब्बत में अपने पॉच लाख चीनी सैनिक तैनात कर रखे हैं।

विपक्ष ने किसानों को गुमराह करने, भरोसा तोड़ने का किया कार्य- एके शर्मा

संवाददाता।

लखनऊ । प्रदेश की योगी सरकार ने किसानों, गरीबों, पिछड़ों, दलितों, युवाओं को विकास की मुख्यधारा में लाने तथा राज्य के सर्वस्पर्शी एवं समावेशी विकास को गति देने के लिए 28760.67 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट का प्राविधान किया है। इस बजट में से 10095.53 करोड़ रुपये ऊर्जा विभाग तथा 1028 करोड़ रुपये नगर विकास विभाग को मिला है। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए0के0 शर्मा ने आज विधान सभा में अनुपूरक बजट पर चर्चा कर रहे थे। उन्होंने मा0 मुख्यमंत्री जी एवं वित्त मंत्री जी को प्रदेश के लिए समावेशी एवं विकासोन्मुखी बजट देने हेतु बधाई दी तथा प्रदेश की जनता को बजट के लिए शुभकामनाएं भी दी।नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने अनुपूरक बजट में चर्चा के दौरान कहा कि प्रदेश सरकार ने किसानों के बिजली बिलों में 01 अप्रैल, 2023 से शतप्रतिशत छूट दे रही। इसके लिए किसानों को दी गई छूट में सब्सिडी हेतु 900 करोड़ रुपये दिए गए हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में भी 50 प्रतिशत की छूट बिजली बिलों में दी गई थी। विपक्षी जब सत्ता में थे उन्होंने किसानों को गुमराह करने एवं उनका भरोसा तोड़ने का ही कार्य किया। प्रदेश सरकार किसानों की आमदनी को दोगुनी करने के लिए कार्य कर रही है। ए0के0 शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में प्रदेश वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की ओर अग्रसर है। इसी प्रकार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत देश एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर बढ़ रहा। योगी सरकार का यह अनुपूरक बजट देश को विकसित राष्ट्र बनाने में सहयोग करेगा। ए0के0 शर्मा ने विपक्ष के सदस्यों द्वारा किए गए कटाक्ष कि संघर्ष के बल पर मंत्री बने हैं, का जवाब देते हुए कहा कि गांव में रहकर प्राइमरी की पढ़ाई से लेकर यूपीएससी की परीक्षा पास करने तक एक लम्बा संघर्ष किया है। लेकिन विपक्ष ने भी सत्ता के दौरान बहुत संघर्ष किया है, जिसको परीक्षा पास कराना होता था, उसे पहले से ही चिन्हित कर लेते थे। इसी प्रकार विपक्ष द्वारा की गई टिप्पणी कि राजनीति में अभी कच्चे और नये होने की बात पर उन्होंने कहा कि बेशक मैं राजनीति में नया हूँ, कच्चा हूँ, पर अपने सदन के पुराने सदस्यों से बड़ी सहृदयता व विनम्रता से मिलता हूँ और सीखने का प्रयास भी करता हूँ। लेकिन राजनीति में पुख्ता होने की परिभाषा यह नहीं है कि आपको एक राजनीतिक परिवार से होना चाहिए, परिवाद से आना चाहिए, चार–चार पीढ़ियां राजनीति में रहीं हों। लेकिन आपको बता दूँ कि मोदी जी ने राजनीति में परिवाद को खत्म करने का बीड़ा उठाया हुआ है।

चार दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय गणित ओलम्पियाड सी. एम.एस. में शुरू

लखनऊ, 30 नवम्बररू सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजाजीपुरम (द्वितीय कैम्पस) द्वारा आयोजित चार दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय गणित ओलम्पियाड 'मैथलेटिक्स–2023' का भव्य उद्घाटन आज सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे डा. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. जय प्रकाश पाण्डेय ने दीप प्रज्जवलित कर समारोह का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर सी.एम.एस. छात्रों ने देश–विदेश से पधारे प्रतिभागी छात्रो व शिक्षकों के सम्मान में शिक्षात्मक–सॉस्कृतिक कार्यक्रमों की इन्द्रधनुषी छटा प्रदर्शित कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। चार दिवसीय 'मैथलेटिक्स–2023' का आयोजन 30 नवम्बर से 3 दिसम्बर 2023 तक सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में किया जा रहा है, जिसमें नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश एवं देश के विभिन्न प्रान्तों से पधारे लगभग 500 छात्र प्रतिभाग कर रहे हैं। उद्घाटन समारोह में बोलते हुए मुख्य अतिथि प्रो. जय प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि विभिन्न देशों के बाल गणितज्ञों को एक मंच पर एकत्रित करने का सी.एम.एस. का यह प्रयास अत्यन्त सराहनीय है। सी.एम.एस. संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीश गाँधी ने इस अवसर पर कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य भावी पीढ़ी को मात्र एक कुशल गणितज्ञ बनाना ही नहीं है अपितु इसके माध्यम से भावी पीढ़ी को अच्छे बुरे की पहचान करने वाला एक संवेदनशील विश्व नागरिक बनाना है। 'मैथलेटिक्स–2023' की संयोजिका एवं सी.एम.एस. राजाजीपुरम (द्वितीय कैम्पस) की प्रधानाचार्या श्रीमती अनुपमा चेकर ने मुख्य अतिथि व अन्य गणमान्य अतिथियों समेत देश–विदेश से पधारे छात्रों व शिक्षकों का हार्दिक स्वागत किया।मैथलेटिक्स–2023 की प्रतियोगिताएं कल 1 दिसम्बर को प्रातः 10.00 बजे से प्रारम्भ होंगी। कल, 1 दिसम्बर को आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में कॉन्फैबुलर्स (वाद–विवाद), नम्बर निंजा (गणित खेल) एवं मैथेमेटिकम लि मोडेल (माडल मेकिंग) आदि प्रमुख हैं।

पर्यटन स्थलों की मार्केटिंग एवं ब्रान्डिंग करने के लिए यू0के0, यूएसए, हालैण्ड एवं जर्मनी के टूर आपरेटरों की परिचय यात्रा कल से शुरू होगी

विदेशी पर्यटकों के मामले में उ0प्र0 पहले स्थान पर स्थापित हो, इसके लिए विशेष तैयारी-जयवीर सिंह

संवाददाता।

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण ईको पर्यटन स्थलों की पूरी दुनिया में मार्केटिंग एवं ब्रान्डिंग कराने के लिए कल 01 दिसम्बर से यू0के0, संयुक्त राज्य अमेरिका, हालैण्ड तथा जर्मनी के 11 टूर एण्ड ट्रैवल आपरेटर्स की एक परिचय यात्रा की शुरूआत करायी जा रही है। यह भ्रमण यात्रा चम्बल वेटलैण्ड से शुरू होकर 08 दिसम्बर, 2024 को जनपद पीलीभीत के टाइगर रिजर्व में समाप्त होगी। इस यात्रा के दौरान टूर एण्ड ट्रैवेल आपरेटर ईको पर्यटन की दृष्टि से प्रदेश के चर्चित स्थलों की जैव विविधता तथा मनोरम दृश्यों से रूबरू होंगे।

यह जानकारी आज यहां प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश ईको पर्यटन के मामले में विभिन्न विविधताओं से भरा हुआ है। इन स्थलों से विदेशी पर्यटकों को परिचित कराना है। भ्रमण के लिए आयी यह टीम अपने अनुभवों को दूसरे पर्यटकों के साथ साझा करेगी और उन्हें उत्तर प्रदेश के ईको पर्यटन के दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण करने के लिए जागरूक करेगी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के पास देशी–विदेशी सैलानियों को आकर्षित करने के लिए अपार क्षमता है। साथ ही बेहतर कनेक्टिविटी एवं उच्च स्तर की अवस्थापना सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश घरेलू पर्यटन के मामले में देश में पहले स्थान पर है। राज्य सरकार का प्रयास है कि विदेश से आने वाले हर सैलानी का पहला कदम उत्तर प्रदेश की ओर, आए और विदेशी पर्यटन के मामले में भी उत्तर प्रदेश पहले स्थान पर स्थापित हो, इसलिए पर्यटन के संभावित सभी आयामों पर तेजी से काम हो रहा है। यहां ईको पर्यटन की असीम संभावनाएं है। इसलिए इन स्थलों का लगातार विकास किया जा रहा है और पर्यटक सुविधाओं में लगातार बढ़ोत्तरी की जा रही हैं। पर्यटन मंत्री ने बताया कि देश–विदेश के पर्यटकों को इन स्थलों की ओर आकर्षित करने के लिए जरूरी है कि उन्हें इन स्थलों और यहां की खूबियों से परिचित कराया जाए। इन्हीं उद्देश्यों से पर्यटन विभाग फैन ट्रिप में सहयोग कर रहा है। उन्होंने बताया कि कल शुरू हो रही यात्रा सूरसरोवर, पक्षी विहार, इटावा लायन सफारी होते हुए राजधानी पहुंचेगी। यहां से विश्व प्रसिद्ध दुधवा नेशनल पार्क तथा कतरनिया घाट होते हुए 08 दिसम्बर को पीलीभीत टाइगर रिजर्व पहुंचेगी। जयवीर सिंह ने बताया कि देशी–विदेशी सैलानी उ0प्र0 की ओर अधिक से अधिक आकर्षित हो सकें तथा यहां की हास्पिटेलिटी एवं अवस्थापना सुविधाओं का लाभ उठा सकें और अपने अनुभव को अपने देश में जाकर दूसरे लोगों से साझा कर सकें, इसके लिए पर्यटन विभाग ने परिचय यात्रा कराने की रणनीति अपनायी है।

उ0प्र0 पर्यटन विविधताओं से भरा हुआ है। यहां पर कई यूनेस्को पर्यटन स्थल के अलावा धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व के कई स्थल भी मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि पर्यटन में रोजगार के अलावा प्रचुर मात्रा में निवेश की महती सम्भावनाएं हैं। इसका अधिकतम दोहन करने के लिए पर्यटन विभाग ईको पर्यटन पर विशेष जोर दे रहा है।

सी.एम.एस. के मेधावियों का हुआ भव्य सम्मान

विशाल मार्च निकालकर चरित्र निर्माण का अलख जगाया सी.एम.एस. छात्रों ने

लखनऊ, 30 नवम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल के हजारों छात्रों ने आज विशाल 'चरित्र निर्माण मार्च' निकालकर भावी पीढ़ी के चरित्र निर्माण की पुरजोर आवाज बुलन्द की और संदेश दिया कि चारित्रिक व नैतिक उत्थान के बगैर आदर्श समाज की परिकल्पना साकार नहीं हो सकती है। सी.एम.एस. संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीश गाँधी व डा. भारती गाँधी एवं सी.एम.एस. प्रेसीडेन्ट प्रो. गीता गाँधी किंगडन की अगुवाई में सी.एम.एस. छात्रों का यह विशाल मार्च गोमती नगर स्थित मकदूमपुर पुलिस स्टेशन से प्रारम्भ हुआ एवं सी.एम.एस. गोमती नगर (द्वितीय कैम्पस) ऑडिटोरियम पहुँचकर एक विशाल सभा में परिवर्तित हो गया, जहाँ विद्यालय के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। सी.एम.एस. छात्रों का चरित्र निर्माण मार्च सी.एम.एस. गोमती नगर (द्वितीय कैम्पस) ऑडिटोरियम पहुँचकर 'मेधावी छात्र सम्मान समारोह' में परिवर्तित हो गया, जहाँ विद्यालय के आई.एस.सी (कक्षा–12) के मेधावी छात्रों को पुरष्कृत कर सम्मानित किया गया। इस भव्य समारोह में आई.एस.सी. (कक्षा–12) की द्वितीय इण्टर–कैम्पस तुलनात्मक परीक्षा में 93.73 प्रतिशत अंक अर्जित कर टॉपर रही सी.एम.एस. महानगर कैम्पस की छात्रा सरिया खान को विशेष रूप से सम्मानित किया गया एवं उनकी माताजी को फलों व फूलों से तौलकर एवं पिताजी को शाल भेंटकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा, द्वितीय इण्टर–कैम्पस कम्परेटिव एक्जामिनेशन की टॉप–10 मेरिट लिस्ट में स्थान अर्जित करने वाले छात्रों एवं सी.एम.एस. के प्रत्येक कैम्पस के टॉपर छात्रों को भी सम्मानित किया गया।सी.एम.एस. संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीश गाँधी ने इस अवसर पर कहा कि इस सम्मान समारोह का उद्देश्य यही है कि अन्य छात्र भी इससे प्रेरणा ले सके एवं अपने कार्यों से अपने माता–पिता व शिक्षकों का नाम रोशन करें। डा. गाँधी ने कहा कि छात्रों को न सिर्फ परीक्षा के लिए अपितु जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए।

भारतीय भाषा उत्सव दिवस पर आयोजित नाट्कों ने मोह मन

संवाददाता।

लखनऊ । उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान एवं उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में आज भारतीय भाषा उत्सव अवसर पर नाट्य महोत्सव का आयोजन किया गया।

समारोह में संस्थान के निदेशक विनय श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि तमिल के प्रख्यात कवि सुब्रमण्यम भारती जी के जन्म दिवस दिनांक 11 दिसम्बर को भारत सरकार द्वारा भारतीय भाषा दिवस घोषित करते हुए भारतीय भाषा उत्सव के रूप में मनाये जाने से अवगत कराया है। इस वर्ष भारत सरकार के निर्देश के क्रम में 15 दिवसीय भारतीय भाषा उत्सव मनाया जा रहा है। चिन्नास्वामी सुनयम भारती एक सुरसिद्ध भारतीय लेखक, कवि, पत्रकार, स्वतंत्रता सेनानी और तमिलनाडु के समाजसुधारक थे। "महाकवि भारती के रूप" में लोकप्रिय आधुनिक तमिल कविता के अग्रदूत थे। उक्त अवसर पर 02 संस्कृत नाटकों का मंचन कराया गया। संस्कृत नाटक मॉडल विहार का लेखन एवं निर्देशन ललित सिंह पोखरियाल निसर्ग, लखनऊ द्वारा किया गया तथा संस्कृत नाटक स्वतंत्रतायाः क्रांति का लेखन विचित्रा कौशिक एवं निर्देशन आकाश दीप कौशिक द्वारा किया गया। हास्य नाटक माडल विहार तथा 1857 की क्रान्ति पर आधारित स्वतंत्रतायाः क्रांति नाट्य की भव्य प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

'गुरु गोविंद सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार' हेतु प्रस्ताव और आवेदन उपलब्ध कराने की तिथि 15 दिसम्ब तक बढ़ाई

संवाददाता।

लखनऊ । अपर मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, राष्ट्रीय एकीकरण अनुभाग द्वारा वर्ष 2023–24 के लिए 'गुरु गोविंद सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार' हेतु प्रत्येक जनपद से इस पुरस्कार के मापदण्डो को पूरा करने वाले पात्र महानुभावों के न्यूनतम एक–एक प्रस्ताव, उनके द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्यों का तथ्यात्मक विवरण एवं अभिलेखीय साक्ष्यों के साथ निर्धारित

प्रारूप में स्पष्ट आख्या एवं संस्तुति सहित शासन को दिनांक 15 नवम्बर 2023 तक उपलब्ध कराने के निर्देश समस्त मण्डलायुक्तोध्जिलाधिकारियों को दिए गए थे। इस पुरस्कार हेतु प्रस्ताव व आवेदन उपलब्ध कराये जाने के लिए निर्धारित अन्तिम तिथि को बढ़ाकर 15 दिसम्बर, 2023 कर दिया गया है। इस सम्बन्ध में अपर मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन, राष्ट्रीय एकीकरण अनुभाग द्वारा समस्त मण्डलायुक्तो व जिलाधिकारियों को आवश्यक परिपत्र भेज दिया गया है।

आलू की बीमारी पिछेता झुलसा से सतर्क रहें किसान

संवाददाता।

लखनऊ । केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम, मेरठ द्वारा विकसित इन्डो–ब्लाइटकास्ट (पैन इंडिया मॉडल) से पिछेता–झुलसा बीमारी का पूर्वानुमान लगाया गया है, जिसके अनुसार मौसम की अनुकूलतना के आधार पर आलू की फसल में पिछेता झुलसा बीमारी निकट भविष्य में आने की सम्भावना है।

इस बीमारी की पूर्वानुमान के सम्बन्ध में निदेशक उद्यान तथा खाद्य प्रसंस्करण श्री अतुल कुमार सिंह की ओर से किसानों को सलाह जारी की गई है कि यदि उन्होंने अभी तक आलू की फसल में फफूंदनाशक दवा का पर्णीय छिड़काव नहीं किया है वे किसान मैन्कोजेबध्प्रोपीनेबध्क्लोरोथेलोंनील युक्त फफूंदनाशक दवा का रोग सुग्राही किस्मों पर 0.2–0.25 प्रतिशत की दर से अर्थात् 2.0– 2.5 किलोग्राम दवा 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर छिड़काव तुरन्त करें। साथ ही साथ यह भी सलाह दी जाती है कि जिन खेतों में बीमारी प्रकट हो चुकी हो उनमें किसी भी फफूंदनाशक–साईमोक्सेनिल+मैन्कोजेब का 3.0 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर (1000 लीटर पानी) की दर से अथवा फेनोमिडोन+मैन्कोजेब का 3.0 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर (1000 लीटर पानी) की दर से अथवा डाईमेथोमार्फ 1.0 किलोग्राम+मैन्कोजेब का 2.0 किलोग्राम (कुल मिश्रण 3.0 किग्रा०) प्रति हैक्टेयर (1000 लीटर पानी) की दर से छिड़काव करें। फफूंदनाशक को दस दिन के अन्तराल पर दोहराया जा सकता है। लेकिन बीमारी की तीव्रता के आधार पर इस अन्तराल को घटाया या बढ़ाया जा सकता है। किसान भाइयों को इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि एक ही फफूंदनाशक का बार–बार छिड़काव न करें।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शुक्रवार 01 दिसंबर 2023
sheelshukla100@gmail.com

राज्य लाइसेंसिंग अधिकारियों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया

झांसी! औषधि नीति अनुभाग, आयुष मंत्रालय (MoA), भारत सरकार द्वारा मध्य क्षेत्र के आयुष औषधि नियामकों, औषधि निरीक्षकों, आयुष औषधि प्रयोगशाला कर्मियों और राज्य लाइसेंसिंग अधिकारियों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (ब।त्प), झाँसी में 29–30 नवंबर 2023 को आयोजित किया गया ।

मध्य क्षेत्र के राज्य उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और ओडिशा के प्रतिनिधियों ने इस प्रशिक्षण में सहभाग लिया। कार्यक्रम को नियामकों को व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराने हेतु किया गया था। इसमें राज्य दवा नियंत्रण के लिए मौजूदा नियामक प्रावधान, ज ि ए म प ी , डब्ल्यूएचओ–जीएमपी, डीटीएल और एएसयू एंड एच दवाओं की गुणवत्ता परीक्षण शामिल था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ASU&H दवा नियामकों के बीच नियमों के संबंध में स्पष्टता लाना था।

कार्यक्रम के शुभारंभ समारोह में डॉ. सी. वी. नरसिम्हाजी, प्रभारी सहायक निदेशक, डॉ. मोहम्मद खालिद, सहायक औषधि नियंत्रक सह लाइसेंसिंग प्राधिकरण (यूनानी), डॉ. रमन कौशिक, अनुसंधान अधिकारी (आयु.), औषधि नीति अनुभाग, आयुष मंत्रालय भारत सरकार, डॉ. टी. महेश्वर सहायक निदेशक (आयु) एवं डॉ. बी. एस. शर्मा अनुसंधान अधिकारी (आयु.) उपस्थित रहे।

विजेता खिलाड़ियों को सम्मानिते कबड्डी संघ के प्रदेश अध्यक्ष विकास सिंह नें किया

खेल से होता है शारीरिक व मानसिक विकास विकास सिंह

संवाददाता।

अयोध्या । दो दिवसीय सांसद खेल प्रतियोगिता का गुरूवार को समापन किया गया है। पूरा बाजार के पुरसाएं रामलीला मैदान में आयोजित प्रतियोगिता में कबड्डी संघ के प्रदेश अध्यक्ष विकास सिंह व एसपी ग्रामीण अतुल कुमार सोनकर ने विजेता खिलाडियों को पुरूस्कार वितरित किया। इस दौरान विकास सिंह ने कहा कहा खेल से शारीरिक तथा मानसिक विकास होता है। व्यक्ति के अंदर टीम भावना विकसित होती है। इस तरह के आयोजनों से प्रतिभाओं को मंच मिलता है। अंतिम दिन खो–खो वॉलीबॉल, रस्साकसी, 200मी., 400 मी, 800 मी, 1500मी, की दौड की प्रतियोगिताएं हुई। समापन के अवसर पर बड़ी संख्या में दर्शकों की मौजूदगी रही। दर्शकों द्वारा लगातार खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन का प्रयास किया जा रहा था। वॉलीबाल प्रतियोगिता में 12 टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मुकाबला रसड़ा तथा सरायरासी की टीम के बीच हुआ। जिसमें रसड़ा की टीम विजयी रही। कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल सरायरासी तथा ग्रामोदय इण्टर कालेज के मध्य हुआ। जिसमें सरायरासी विजयी हुई। खो–खो प्रतियोगिता बालिका में गायत्री सर्वोदय को हरा कर पूरा बाजार ने जीत दर्ज की। खो–खो बालक वर्ग में ग्रामोदय इण्टर कालेज ने यश विद्या मंदिर की टीम को पराजित किया। 200 मी. दौड़ प्रतियोगिता में निर्भर सिंह सरायरासी प्रथम, अविनाश वर्मा ग्रामोदय इंटर कालेज द्वितीय, हर्षित सिंह सरायरासी तृतीय, 400 मी दौड में अंकुर सिंह, सरायरासी प्रथम, अभिषेक वर्मा महेशपुर द्वितीय, बादल रसूलाबाद तीसरे स्थान पर रहे। 800 मी में सुन्दरम् सिंह सरायरासी प्रथम, अशोक निषाद कछौली द्वितीय, विकास वीरवा तृतीय तथा 1500 मी. में अंकुर सिंह सरायरासी प्रथम, उत्कर्ष सरायरासी द्वितीय, अभिषेक वर्मा महेश पुर तृतीय स्थान पर रहे। इस दौरान दिव्य प्रकाश तिवारी, अवधेश पाण्डेय बादल, सतीश सिंह पिण्टू,अरूण तिवारी, उग्रसेन सिंह, चन्द्रभान त्रिपाठी, गोकरन द्विवेदी, योगेश मिश्र, सतीश चन्द्र पाण्डेय, अनुराग त्रिपाठी, डब्लू सिंह, रामजीत निषाद, रामप्रीत वर्मा, शोभाराम वर्मा, नंद कुमार सिंह, मुन्ना सिंह, विश्वनाथ सिंह, अनूप दूबे आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने रक्तदान शिविर व साड़ी केंद्र का किया उद्घाटन

-रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर किया उत्साहवर्धन

अयोध्या । तुलसी नगर पूरे हुसैन खान में आयोजित रक्तदान शिविर व साड़ी केंद्र का उद्घाटन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा किया गया। कार्यक्रम प्रभारी राजीव कुमार वर्मा द्वारा अवगत कराया गया कि साड़ी केंद्र गरीब एवं निचले तबके की महिलाओं के लिए खोला गया है जिसमें महिलाएं साड़ी केंद्र से 20 में तीन दिन के लिए नई साड़ी ले सकती हैं और वैवाहिक कार्यक्रम व अन्य समारोह में पहन सकती हैं जो महिलाएं सक्षम नहीं हैं वह महिलाएं यहां से साड़ी ले सकती हैं साड़ी केंद्र प्रभारी रश्मि वर्मा ने बताया कि राज्यपाल के दिशा निर्देशानुसार साड़ी केंद्र गौ ऋषि सेवा ओमप्रकाश जी राष्ट्र सेवा संस्थान के माध्यम से संचालित किया जा रहा है । इस दौरान राजपाल ने केंद्र प्रभारी रश्मि वर्मा की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने समाज में निचले तबके की महिलाओं के लिए यह कार्य करके बहुत ही सराहनीय कार्य किया है उन्होंने कहा कि हर महिला की इच्छा होती है कि वह अच्छी से अच्छी साड़ी पहने और समारोह में भाग ले सकती है। इस तरह के साड़ी केंद्र गांव स्तर पर भी खुलना चाहिए। इस अवसर पर गौ ऋषि सेवा संस्थान के प्रमुख राघवेंद्र मिश्रा द्वारा बताया गया कि उत्तर प्रदेश में चार साड़ी केंद्र और भी चल रहे हैं साड़ी केंद्र प्रभारी प्रदेश नरेंद्र बहादुर सिंह द्वारा बताया गया कि इस तरह का प्रयास निरंतर जारी रहेगा। इस अवसर पर राज्यपाल द्वारा चार महिलाओं को निःशुल्क साड़ी वितरित की गई जिसमें जिसमें श्रीमती संयोगिता यादव, श्रीमती विमलेश श्रीमती अंजू गुप्ता, श्रीमती पूनम त्रिपाठी निशु शामिल रही। साड़ी केंद्र की प्रभारी रश्मि द्वारा 15 अन्य महिलाओं को साड़ी वितरित की गई। वहीं रक्तदान शिविर में राज्यपाल ने रक्तदान करने वाले युवकों को प्रमाण पत्र देकर उत्साह वर्धन किया और राजभवन आने के लिए आमंत्रित किया। इस मौके पर पवन कुमार यादव, शिवम यादव, अखिलेश श्रीवास्तव, अरविन्द यादव, अखंड प्रताप सिंह रणजीत सिंह, आदित्य प्रताप

मथुरा-वृन्दावन नगर निगम में तीसरी बार पुन: बढ़ी टैक्स जमा करने की तिथि

मथुरा। मथुरा वृंदावन नगर निगम के विभिन्न टैक्स जमा करने पर तीसरी बार तिथियों का विस्तार करने के साथ ही 10 प्रतिशत छूट की घोषणा की गयी है। उक्त घोषणा महापौर विनोद अग्रवाल द्वारा नगरवासियों के आग्रह पर की गयी है। नई घोषणा के तहत 1 दिसंबर से 31 दिसंबर 23 तक निगम के विभिन्न करों को जमा करने पर पुनः 10 प्रतिशत छूट दी जायेगी।इस संबंध में महापौर श्री अग्रवाल ने बताया कि सितंबर और अक्टूबर दो महीने की छूट से आम जनमानस में टैक्स जमा करने के लिए काफी उत्साह देखा गया था इसको ध्यान में रखते हुए अब दिसंबर के महीने में एक महीने का अतिरिक्त समय आम जनमानस को दिया गया है जिससे 10 प्रतिशत छूट के साथ टैक्स जमा करने में आम जनमानस को काफी सहूलियत मिलेगी।ज्ञात रहे कि सितंबर और अक्टूबर में लोगो ने छूट के समय में करोडो रु का टैक्स जमा किया था परन्तु नवम्बर माह में जमा करने की गति धीमी पड़ गई थी जिसके चलते एक बार फिर दिसम्बर माह में छूट का एलान किया गया है।

सीओ लाइन ने सेवानिवृत्त हुए पुलिसकर्मियों को दी विदाई

(मथुरा)(ए.के.शर्मा)गुरूवार को मथुरा पुलिस के 5 अधिकारी वकर्मचारियों को सेवाकाल पूर्ण करने पर विदाई दी गयी। इस अवसर पर सेवानिवृत्त हुये अधिकारी–कर्मचारियों को उनके द्वारा सेवाकाल के दौरान किये गये अच्छे कार्यों के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक केनिर्देशन में क्षेत्राधिकारी लाइन हर्षिता सिंह द्वारा माल्यार्पण कर प्रशस्ति पत्र एवं उपहार भेंट करने के साथ ही उनके अच्छे स्वास्थ्य की मंगल कामना की गयी। सेवानिवृत्त हुये अधिकारी–कमचारियों में उप निरीक्षक वेदलसिंह,उप निरीक्षक मुनेश बाबू मिश्रा, उप निरीक्षक नरायन सिंह, उप निरीक्षक राकेश कुमार के अलावा अनुचर रमेश कर्दम शामिल है।

होटल नुमा आश्रम, नगर निगम के टैक्स पर चिकचिक

मुख्यमंत्री ने मथुरा दौरे के दौरान लिया था संतों की इस शिकायत पर संज्ञान

(मथुरा)(ए.के.शर्मा) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मथुरा आगमन से पहले दौरे की तैयारियों की समीक्षा के लिए आये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संत महंतों ने मुख्यमंत्री से शिकायत की थी कि मठ, आश्रमों और मंदिरों पर नगर निगम की ओर से अत्यधिक टैक्स लगाया गया है, इस टैक्स को अदा करने में वह असमर्थ हैं। इसके बाद नगर निगम हरकत में आ गया है। अब इस टैक्स की समीक्षा की जाएगी।नगर निगम मथुरा वृन्दावन द्वारा वर्तमान में कर अधिरोपण कर नोटिस निर्गत करने की कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में वृन्दावन के प्रमुख संतों, महंतों द्वारा आश्रमों पर अत्याधिक कर लगाये जाने के सम्बन्ध में अपनी आपत्ति नगर आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत की गई। इसी को दृष्टिगत रखते हुए गुरुवार को वृन्दावन के प्रमुख संतों के साथ नगर आयुक्त शशांक चौधरी द्वारा वृन्दावन जोनल कार्यालय में एक बैठक रखी गई। जिसमें उपस्थित संतों द्वारा कहां गया कि आश्रमों को व्यावसायिक श्रेणी में लेकर कर लगाया जा रहा है, जो कि गलत है। सन्त महन्तों ने नगर आयुक्त से कहाकि गौशाला, मंदिर, संत निवासों को कर से मुक्त रखा जाये। साथ ही अपने अपने आश्रम सहित अन्य आश्रमों पर भी न्यूनतम कर अधिरोपित करने की मांग की गई है। जिस पर नगर आयुक्त द्वारा संतों को आश्वस्त किया गया कि एक माह के अन्दर करारोपण से सम्बंधित समस्त आपत्तियों का निस्तारण किया जायेगा। साथ ही ऐसे आश्रम जिनमें होटल, गेस्ट हाउस आदि में व्यावसायिक गतिविधियां पायी जाएंगी उनका अलग से चिन्हांकन कर अनावासीय कर अधिरोपित किया जाएगा। बैठक के दौरान महंत फूलडोल दास महाराज, महंत हरिशंकर दास नागा जी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी रूपेंद्र प्रकाश महाराज, स्वामी चित्प्रकाशा नन्द महाराज, स्वामी सुरेशानन्द परमहंस, महंत लाडली शरण दास जी महाराज, महामण्डलेश्वर नवल गिरी महाराज, महंत रामस्वरूप ब्रह्मचारी महाराज, महंत किशोरी शरण दास महाराज, महंत गंगादास महाराज, अपर नगर आयुक्त क्रांति शेखर सिंह, अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, संयुक्त नगर आयुक्त मयंक यादव, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी शिवकुमार गौतम, राजस्व निरीक्षक मुकेश सिंह, कार्यालय प्रभारी श्रीगोपाल वशिष्ठ, लिपिक कर विभाग विपिन बल्लभ आदि उपस्थित रहे।

छात्र अपनी पढ़ाई को दैनिक जीवन से जोड़े नितीश कुमार

–संवाददाता।

अयोध्या । जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन राजकीय महिला पॉलीटेक्निक परिसर में किया गया। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी नीतीश कुमार व अध्यक्ष जिला विज्ञान क्लब ने विजेता को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। जिला विज्ञान क्लब के जिला समन्वयक निखिल सिंह के संयोजन में 20 विद्यालयों के कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में 50 से अधिक विज्ञान मॉडल का प्रर्दशन किया गया। प्रतियोगिता में भवदीय पब्लिक स्कूल के कक्षा 10 के छात्र जय उपाध्याय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। शिवदयाल जायसवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के कक्षा 11 के विद्यार्थी देवास तिवारी ने एआई बेस्ड मॉडल बनाकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। एसएसबी इंटर कॉलेज की कक्षा 11 की विद्यार्थी प्रिंस शर्मा ने वाटर अलार्म सिस्टम बनाकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। भवदीय पब्लिक स्कूल के कक्षा 9 के विद्यार्थी श्रेयांश मिश्रा चतुर्थ स्थान तथा सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल के कक्षा 12 के विद्यार्थी अभय कुमार यादव पंचम स्थान पर रहे। इस दौरान जिलाधिकारी नीतीश कुमार ने कहा विज्ञान प्रदर्शनी से छात्रों में साइंटिफिक टेंप्रामेंट का विकास होता है। छात्रों को अपनी पढ़ाई को दैनिक जीवन, रियल लाइफ से जोड़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के मध्य वैज्ञानिक सोच व दृष्टिकोण उत्पन्न करने के साथ विज्ञान के प्रश्न यथा–क्या, क्यों, कब, कैसे, कहाँ आदि को देखते हुए विज्ञान के विभिन्न पहुलओं का विश्लेषण करने हेतु एक मंच प्रदान करना है। प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ 15 माडलों का चयन कर मंडल स्तर पर भेजा जाएगा। सभी प्रतियोगियों को भी प्रतिभागिता प्रमाण–पत्र दिया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से बसंत कुमार जिला विद्यालय निरीक्षक प्रतिनिधि, जय राम प्रधानाचार्य राजकीय पॉलिटेक्निक अयोध्या, एलपी सिंह प्रधानाचार्य राजकीय महिला पॉलिटेक्निक अयोध्या उपस्थित रहे।

दो दिन से लापता ई रिक्शा चालक की हत्या

-औरंगाबाद पर नाराज लोगों करीब एक घंटे लगाये रखा जाम

(मथुरा)(ए.के.शर्मा) औरंगाबाद क्षेत्र से दो दिन से लापता युवक का शव मिलने के बाद गुस्साए लोगों ने मथुरा आगरा मार्ग पर औरंगाबाद क्षेत्र में जाम लगा दिया। गुरुवार की सुबह करीब एक घंटे तक लोग सडक पर जमे रहे। इस बीच पुलिस को टैंक चौराहे और टाउनशिप से आने वाले वाहनों को नियंत्रित करने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पडी। टाउनशिप से आने वाले वाहनों को गोकुल बैराज मोड पर तथा कचहरी को जाने वाले वाहनों को टैंक चौराहे पर बैरियर लगा कर रोक दिया था। जाम की सूचना पर थाना सदर बाराजा, कोतवाली, थाना रिफाइनरी का पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। पुलिस के आलाधिकारी भी जाम स्थल पर पहुंच गये और लोगों को समझा बुझा कर शांत किया। करीब एक घंटै बाद बाद यातायात को सुचारू किया गया। देर रात थाना गोवर्धन इलाके के अड़ीग नहर के समीप झाड़ियां में 30 वर्षीय युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। अज्ञात युवक का शव मिलने की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव के पास से मिले आधार कार्ड के आधार पर मृतक की शिनाख्त 30 वर्षीय अमित पाल निवासी औरंगाबाद थाना सदर बाजार के रूप में की। थाना गोवर्धन पुलिस ने थाना सदर बाजार पुलिस को घटना की जानकारी दी तो पता चला कि युवक दो दिन से लापता था और थाने में उसकी गुमशुदगी की भी परिजनों द्वारा लिखी गई थी। युवक ई रिक्शा चलाता था। मृतक अमित पाल के गले पर रस्सी के निशान थे और शरीर में गोली लगी थी। शव को देखकर लग रहा था किसी ने अमित पाल का पहले गला घोट है और फिर उसके बाद गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। मौके पर पहुंची फोरेंसिक और पुलिस टीम ने घटनास्थल का जायजा लिया और मृतक का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सुबह होते ही मृतक के परिजनों ने थाना सदर बाजार इलाके के आगरा मथुरा रोड को जाम कर दिया और जमकर हंगामा किया। मृतक के परिजनों की मांग थी कि हत्या में नामजद आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की जाए और घटना का सही तरीके से खुलासा किया जाए। घटनास्थल पर पहुंचे एसपी सिटी मार्तंड प्रकाश सिंह ने परिजनों को समझा कर शांत कराया और घटना का खुलासा सही तरीके से कर आरोपियों की गिरफ्तारी कर उन्हें कठोर सजा दिलाने का आश्वासन दिया, तब कहीं जाकर परिजनों ने जाम खोला। एसपी सिटी मार्तंड प्रकाश सिंह का कहना है कि मृतक के परिजनों ने जाम लगाया था उन्हें कार्यवाही का भरोसा देकर और समझाकर जाम को खुलवा दिया गया है।

हरसूद के मुकेश पटेल बने संस्कार सेना एवं वेब पोर्टल चौनल वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश सचिव

29 नवंबर भोपाल संवाददाता हरसूद से वरिष्ठ पत्रकार क्यूं टीवी 24 चौनल के चीफ एडिटर मुकेश पटेल भोपाल संस्कार सेना के कार्यालय पहुंच कर संस्थापक हरभजन जांगड़े से मुलाकात की वेब पोर्टल चौनल वेलफेयर एसोसिएशन एवं संस्कार सेना में जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की इच्छा जताई एवं आजीवन सदस्यता ग्रहण की तो संस्थापक हरभजन जांगड़े ने संस्कार सेना एवं वेब पोर्टल चौनल वेलफेयर एसोसिएशन दोनों संगठनों में प्रदेश सचिव मध्य प्रदेश

की जिम्मेदारी सौंपते हुए संस्कार सेना के मेडल से सम्मान कर नियुक्ति पत्र प्रदान किया इस मौके पर उन्होंने माता–पिता के प्रति युवा पीढ़ी को जागरूक करने एवं यूट्यूब चौनल से जुड़े मीडिया के साथियों को सम्मान दिलाने के लिए तन मन धन से सहयोग का आश्वासन दिया

जैसे ही ग्रुप में सूचना शेयर की तो राष्ट्रीय सचिव अलका धुर्वे प्रदेश महासचिव मयंक ठाकुर बारेलाल सूर्यवंशी सहित संस्कार सेना एवं पोर्टल चौनल वेलफेयर एसोसिएशन के अनेक पदाधिकारीयों की और से बधाई शुभकामनाओं का तांता लग गया।

कांग्रेस बोली यूपी के साथ हो रहा भेदभाव, किया प्रदर्शन

- महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, बिगड़ती कानून व्यवस्था के मुद्दों को उठाया

(मथुरा)(ए.के.शर्मा) कांग्रेसियों ने गुरूवार को महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, बिगड़ती कानून व्यवस्था आदि समस्या को लेकर जिला कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन किया गया। धरना प्रदर्शन के पश्चात राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिला कलेक्ट्रेट पर जिलाधिकारी को सौंपा। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौधरी भगवान सिंह वर्मा ने कहा कि मोदी योगी सरकार हर मोर्चे पर फेल साबित हुई है। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना व राजस्थान की चुनावी रैलियों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा इस बात का ऐलान जनता के समक्ष किया गया है कि मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में 500 रूपये का घरेलू गैस सिलेंडर व राजस्थान व तेलंगाना में 450 रूपये का घरेलू गैस सिलेंडर दिए जाने का जनता से वादा किया है जबकि उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड व हरियाणा आदि प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी जी सरकार द्वारा भाजपा शासित प्रदेशों में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत लगभग 1000 रूपये प्रति सिलेंडर जनता से बसूली की जा रही है। कांग्रेस शासित प्रदेशों में 500 रूपये का घरेलू गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। भाजपा सरकार के द्वारा उत्तर प्रदेश हरियाणा व उत्तराखंड आदि भाजपा शासित प्रदेशों में जनता से घरेलू गैस सिलेंडर के नाम पर लगभग 1000 रूपये वसूली कर लूट की जा रही है। राया में हुए पटाखा अग्निकांड के में मृतकों को 50 लाख रुपए व मृतक आश्रितों को सरकारी नौकरी व सरकारी मकान व दोषियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार आदि की मांग की गई थी परंतु योगी सरकार के द्वारा अभी तक उन्हें ना तो उचित मुआवजा ही दिया है और ना ही नौकरी मकान दिए दोषियों के खिलाफ अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। धरना प्रदर्शन में विनोद चतुर्वेदी, ठाकुर नरेश पाल सिंह जसावत, मनोज गौड़, सिम्मी बेगम, अशोक शर्मा, ब्रजेश शर्मा, विनेश सनवाल, इमरान कुरेशी, मनोज कुमार शर्मा, ठा. निलेश जादौन, महेंद्र सिंह पांडव, अश्विनी शुक्ला, प्रवीण सागर, रामभरोसी चौधरी, मीरा देवी, अजय कुमार, ठा भगवान सिंह, मोहम्मद शमी, राजू, अजीत सैनी, चरण लाल सैनी, शाहरुख भाई, यासीन, प. हरिओम उपाध्याय, जवाहर सिंह प्रधान आदि मौजूद रहे।

12 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक की जब्त

–अभियान के दौरान अध्यारोपित किया 21 हजार का जुर्माना

मथुरा। नगर निगम लगातार प्रतिबंधित पॉलीथिन के खिलाफ अभियान चला रहा है। शादियों के सीजन में प्रतिबंधित किये गये थर्माकोल का भी उपयोग बढ़ जाता है। इस पर नगर निगम की नजर है और लगातार अलग अलग क्षेत्रों में अभियान चला कर कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। गुरूवार को सहायक नगर आयुक्त कल्पना सिंह चौहान द्वारा प्रवर्तन दल की टीम व क्षेत्रीय स्वच्छता निरीक्षक एवं सफाई विभाग के कर्मचारियों के साथ सौंख रोड़, मण्डी चौराहा तथा महोली रोड़ कट से बजरंग धर्मकांटे तक प्रतिबन्धित प्लॉस्टिक, पॉलीथीन के खिलाफ अभियान चलाया गया। इस दौरान अतिक्रमण एवं गंदगी फैलाने के विरूद्ध भी कार्यवाही की गई। अभियान में लगभग 12 किलोग्राम प्रतिबंधित प्लॉस्टिक, पॉलीथीन जब्त करते हुए लगभग 21 हजार का जुर्माना वसूल किया गया। साथ ही अभियान के दौरान सभी दुकानदारों को भविष्य में सड़क पर अतिक्रमण न करने, गंदगी न करने एवं प्रतिबन्धित प्लास्टिक, पॉलीथीन का प्रयोग न करने के लिए कड़ी चेतावनी दी गयी।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शुक्रवार 01 दिसंबर 2023
sheelshukla100@gmail.com

संपादकीय

क्योंकि सवाल राजनीतिक है

जो समस्या पैदा हुई है, उसका कारण संविधान की अस्पष्टता नहीं है। अगर केंद्र में सत्ताधारी पार्टी सर्वसत्तावादी महत्त्वाकांक्षाएं पाल ले, तो वे तमाम संवैधानिक प्रावधान महज कागज पर लिखी लकीर बन जाते हैं, जिनका मकसद व्यवस्था को नियंत्रित और संतुलित रखना है। विधेयकों को मंजूरी देने के मामले में राज्यपालों की अपेक्षित भूमिका के बारे में सुप्रीम कोर्ट ने जो कहा है, उससे व्यवहार में कितना फर्क पड़ेगा, यह कहना मुश्किल है। कोर्ट इस बारे में संविधान के प्रावधान की उचित व्याख्या की है। लेकिन यह प्रावधान तो पहले से मौजूद है और उसमें कोई अस्पष्टता नहीं है। पंजाब और केरल की सरकारों और वहां के राज्यपालों के बीच चल रहे विवाद में अदालत ने कहा है कि अगर राज्यपाल किसी विधेयक को मंजूरी नहीं देना चाहते हैं, तो उन्हें अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए बिल को ष्यथाशीघ्रष पुनर्विचार के लिए विधानसभा को लौटा देना चाहिए। अब यहां असल मुद्दा इसी ष्यथाशीघ्रष की व्याख्या का है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बारे में कोई निश्चित समयसीमा तय नहीं की। संभवतरू ऐसा करना संविधान के मुताबिक उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। इसीलिए उसने जो व्यवस्था दी है, उसे एक तरह से कोर्ट की सदिच्छा कहा जा सकता है। ष्यथाशीघ्रष का मतलब कितना समय है, इस बारे में राज्य सरकार और राज्यपाल की समझ अलग-अलग होने की गुंजाइश बची हुई है। कोर्ट ने कहा है कि किसी विधेयक को लौटाए जाने के बाद अगर विधानसभा उनकी आपत्तियों पर गौर करते हुए या उसे नामंजूर करते हुए विधेयक को फिर से पारित कर देती है, तो फिर राज्यपाल के पास उस पर दस्तखत करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। यह भी संवैधानिक प्रावधान को दोहराया जाना ही है। बहरहाल, इस मामले में सुप्रीम कोर्ट को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। इसलिए कि जो समस्या पैदा हुई है, उसका कारण संवैधानिक प्रावधान की अस्पष्टता नहीं है। बल्कि उसकी जड़ें मौजूदा राजनीतिक माहौल में छिपी हैं। अगर केंद्र की सत्ता में मौजूद पार्टी सर्वसत्तावादी महत्त्वाकांक्षाएं पाल ले, तो वे तमाम संवैधानिक प्रावधान महज कागज पर लिखी लकीर बन जाते हैं, जिनका मकसद व्यवस्था को नियंत्रित और संतुलित रखना है। चूंकि ऐसा एक राजनीतिक प्रक्रिया के माध्यम से होता है, इसलिए इसका समाधान भी ऐसी ही प्रक्रिया से ढूंढा जा सकता है। राज्यपालों के व्यवहार से जो राजनीतिक दल अपने को पीडिघ्त महसूस कर रहे हैं, उन्हें यह बात अवश्य याद रखनी चाहिए।

भारत की ब्रिक्स दुविधा

पाकिस्तान ने ब्रिक्स की सदस्यता के लिए अर्जी दे दी है। ब्रिक्स में परंपरा आम-सहमति से निर्णय लेने की है। ऐसे में भारत की अकेली असहमति भी पाकिस्तान की सदस्यता रोक सकती है। मगर ऐसा करते हुए भारत के अलग-थलग पडने का अंदेशा है।पाकिस्तान ने ब्रिक्स की सदस्यता लेने के लिए औपचारिक रूप से आवेदन कर दिया है। गौरतलब है कि इसका एलान सबसे पहले मास्को स्थित पाकिस्तानी राजदूत ने किया। खबरों के मुताबिक रूस पाकिस्तान को ब्रिक्स समूह में लाने का पूरा समर्थन कर रहा है। हाल में रूस और पाकिस्तान के बीच कूटनीतिक और राजनयिक संपर्क बढ़ा है। उधर ब्रिक्स के मौजूदा अध्यक्ष दक्षिण अफ्रीका ने कुछ समय पहले ब्रिक्स संबंधी एक बैठक में पाकिस्तान को भी आमंत्रित किया था। चीन का हाथ तो हमेशा ही पाकिस्तान की पीठ पर रहता है। ऐसे ब्रिक्स के पांच मूल सदस्यों में से तीन का झुकाव इस समय पाकिस्तान के पक्ष में दिख रहा है। उधर जो छह नए सदस्य इस समूह में शामिल हुए हैं, उनमें से भी कई का साथ उसे मिल सकता है। उनमें सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और मिस्र शामिल हैं। इथियोपिया को भी इस पर कोई एतराज होगा, इसकी संभावना नहीं है। वैसे एतराज शायद ब्राजील और ईरान को भी नहीं हो। इसीलिए यह सवाल गंभीर है कि इस हाल में भारत का क्या रुख होगा? ब्रिक्स में परंपरा आम सहमति से निर्णय लेने की है। ऐसे में भारत की अकेली असहमति भी पाकिस्तान की सदस्यता रोक सकती है। मगर ऐसा करते हुए भारत के अलग-थलग पडने का अंदेशा है। अभी हाल में इजराइल-फिलस्तीन युद्ध के मुद्दे पर हुई ब्रिक्स की ऑनलाइन शिखर बैठक में भारत का ऐसा अलगाव साफ नजर आया। उसके बाद कुछ टिप्पणियों कहा गया कि भारत ब्रिक्स प्रक्रिया में अवरोधक की तरह दिखने लगा है। जाहिर है, ऐसा कहने वाले लोग इसकी वजह अमेरिका के साथ भारत की बनी रणनीतिक निकटता में ढूंढते हैं। बेशक की सदस्यता अर्जी देते वक्त पाकिस्तान ने इन तमाम समीकरणों का आकलन किया होगा। हाल में पाकिस्तान ने दूसरे देशों में खालिस्तानी और कश्मीरी अलगाववादियों की जान को भारत से खतरा का हौव्वा खूब खड़ा किया है। उसने इस बारे में डोजियर तैयार किया है। अनुमान लगाया जा सकता है कि आतंकवाद के मुद्दे पर भारत के एतराज को कमजोर करने की उसकी यह एक चाल है। इससे भारतीय विदेश नीति की चुनौतियां बढ़ी हैं।

नीट और नेक्स्ट के विरोध में आंदोलन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन मेडिकल में दाखिले के लिए होने वाली अखिल भारतीय परीक्षा नीट का विरोध लंबे समय से कर रहे हैं। उन्होंने विधानसभा से इसका प्रस्ताव पास कराया है। इस मामले में राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी अन्ना डीएमके भी उनके साथ है। लगभग सभी पार्टियां चाहती हैं कि तमिलनाडु को नीट से बाहर किया जाए। ध्यान रहे तमिलनाडु में मेडिकल की पढ़ाई का बहुत अच्छा बुनियादी ढांचा है और वहां पहले 12वीं के अंकों के आधार पर मेडिकल में दाखिला होता था। वहां के बच्चों को मेडिकल पढने के लिए दूसरे राज्यों में नहीं जाना होता था। लेकिन नीट लागू होने के बाद सब कुछ बदल गया है और इसका नतीजा यह हुआ है कि हर बार नीट के नतीजों के समय राज्य में छात्रों की खुदकुशी की खबरें आती हैं।

स्टालिन ने कहा है कि नीट को हटाने के लिए आंदोलन की बात कही है। उन्होंने कहा है कि वे जनता का साथ लेकर परीक्ष की इस व्यवस्था को खत्म कराएंगे। इसी तरह उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई के बाद प्रैक्टिस शुरू करने से पहले होने वाले एक्जिट टेस्ट यानी नेक्स्ट का भी विरोध करने का फैसला किया है। कई जानकार भी इस व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं लेकिन मेडिकल, कानून आदि की पढ़ाई के बाद प्रैक्टिस शुरू करने से पहले एक्जिट टेस्ट की शुरुआत पूरे देश में हो गई है। इसे भी स्टालिन ने जनता को साथ लेकर खत्म करने का ऐलान किया है। माना जा रहा है कि इस मुद्दे पर वे लोकसभा चुनाव लड़ेंगे ताकि केंद्र में सरकार बना कर इसे बदला जा सके।

सिलक्यारा सुरंग की घटना से सरकारों को सबक सीखने की जरूरत है

खान या सुरंग में मजदूरों के फंसने की घटनाएं देश ही नहीं दुनियाभर में होती रहती हैं। कभी पहाड़ के धंसने से और कभी खदानों में पानी भरने से भीषण हादसे होते रहते हैं। जहां विकास की गंगा बहती है, वहां विनाश की संभावना से नकारा नहीं जा सकता। दृढ़ इच्छाशक्ति, लगन, उम्मीद, सकारात्मकता और हौसले की ताकत ने मिलकर आखिर प्रकृति के साथ लड़ी 17 दिन की जंग में जिन्दगी को विजयी बना दिया। सिलक्यारा सुरंग में आठ राज्यों के 41 मजदूरों को सकुशल जिन्दा निकाल लेने के 400 घंटों तक चले संघर्ष में जीत इंसान के चट्टानी हौसले के नाम दर्ज हुई। उत्तरकाशी टनल में फंसे इन सभी मजदूरों को जब मंगलवार रात सुरक्षित निकाला गया, तो देश ने राहत की सांस ली और दीपावली मनाई। यह बचाव अभियान प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय बना है। जिसमें विज्ञान में विश्वास एवं आस्था ने मनोबल दिया। दीपावली के दिन से टनल में फंसे मजदूरों का सुरक्षित बाहर आना किसी चमत्कार से कम नहीं माना जा सकता। बचाव अभियान में हर मोड़ पर आती बाधाओं से बार-बार निराशा एवं नाउम्मीदी के बादल छाए जरूर, लेकिन बचाव दल के अथक प्रयास आखिर में रंग ले ही आए। बजाव कार्य में जुटे जाम्बाज राहत कर्मियों का भरोसा, केन्द्र एवं राज्य सरकार की पूरी ताकत एवं पूरे देश की प्रार्थनाओं का ही असर था जो डर, निराशा और दुश्चिंताओं को दूर करने का हौसला बराबर देता रहा। 17 दिन तक संकटकालीन स्थितियों में मजदूरों को जीवित रखने की चुनौती वाकई बहुत बड़ी थी, जिस पर पूरी दुनिया की नजरें लगी थीं। मजदूरों तक ऑक्सीजन और भोजन पानी पहुंचाना भी आसान नहीं था। तरह-तरह की बाधाओं एवं तकलीफों के बीच जिन्दगी बचाने की मुहिम निश्चित ही एक रोशनी बनी। इसमें सुरंग में फंसे मजबूरों ने जहां हर तरह से जिजीविषा एवं बहादूरी का परिचय दिया, वहीं बचाव कार्य में जुटे वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों, तकनीकी जानकारों एवं कर्मियों ने दिन-रात एक करके एक उदाहरण प्रस्तुत किया। यह बचाव अभियान एवं इसकी सफलता ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय उदाहरण बनकर प्रस्तुत हुआ है। दुविधा एवं मौत की सुरंग में कैद हुए मजदूरों को संकट से आजादी मिली, लेकिन सिलक्यारा की इस घटना ने अनेक सवाल भी खड़े किए हैं। सवाल यह है कि एक प्लान के विफल होने पर दूसरा और आगे के विफल होने पर ही तीसरा, चौथा, पांचवां प्लान क्यों बना? क्या पांच प्लान पहले ही तैयार नहीं हो सकते थे? बीते दो दशकों में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क-क्रांति ने विकास की नई इबारत लिखी है, चारधाम सड़क परियोजना, पहाड़ी क्षेत्रों एवं दुर्गम्य स्थलों में भी यातायात सुगम करने के लिए पहाड़ खोदकर टनल बनाए जा रहे हैं, जिनमें दुर्घटनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। प्रश्न है कि संभावित दुर्घटनाओं से बचने के आवश्यक उपकरण क्यों नहीं जुटाये गये? मलबा हटाने के लिए अमेरिका से क्यों मशीन मंगवानी पड़ी, भारत में ऐसी मशीनों की उपलब्धता क्यों नहीं है? ऐसी विपत्तियों एवं संकटों से उबरने की हमारी तैयारी आत्म-निर्भर एवं स्वावलम्बी क्यों नहीं बनायी जाती? क्यों नहीं अपने देश में जगह-जगह बढ़ती सुरंग परियोजना को देखते हुए एक ऐसे राष्ट्रीय संस्थान खड़ा किया जाता जो बिना भ्रष्टाचार एवं कोताही में लिप्त हुए निर्माणाधीन परियोजनाओं का हर वर्ष तकनीकी ऑडिट करे, जैसा कि सरकारी संस्थानों में वित्तीय ऑडिट होता है। तब हम ऐसे हादसों को रोक पाएंगे। हिमालय जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में ऐसी बड़ी सड़क परियोजनाओं एवं अन्य निर्माण कार्यों की इजाजत देने से पहले उस पर व्यापक मंथन-अनुसंधान-जांच एवं शोध की अपेक्षा है। किस तरह के निर्माण कार्यों की इजाजत दी जाए और किस तरह के काम को नहीं, यह भी समझना एवं एक रोडमैप बनाना होगा। पर्यावरणविद और भूविज्ञानी ऐसे निर्माण कार्यों को पर्यावरण के लिये गंभीर खतरा मानते रहे हैं, ऐसे लोग लंबे समय से कहते आ रहे हैं कि हिमालय एक कच्चा पहाड़ है, वहां बड़ी परियोजनाओं को अनुमति देने से पहले सब तरह की जांच कर लेनी चाहिए। संभावित खतरों पर संवेदनशीलता से चिन्तन करना चाहिए। उत्तरकाशी के

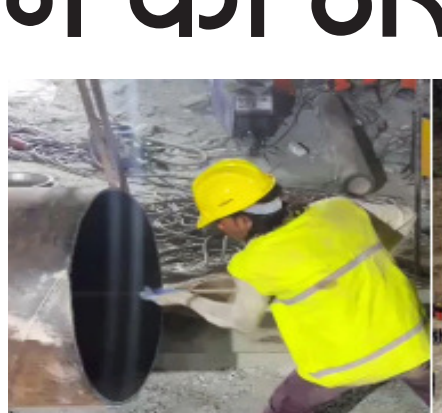

सिलक्यारा में बन रही सुरंग में भी यह बात सामने आई है कि इस जगह के आसपास दो स्थानीय फॉल्टों की उत्तर से दक्षिण तक कटान है। क्या इस सुरंग को बनाने से पहले इसका अध्ययन नहीं किया गया था? बचाव कार्य के लिए यहां आए विदेशी सुरंग विशेषज्ञों ने शेयर जोन की बात कही। शेयर जोन उसे कहते हैं, जिसके आसपास से दो नदियां एक-दूसरे को क्रॉस करती हैं। भूकंप जोन होने से भी ऐसे इलाकों में भू-धंसान की समस्या आती है। खुदाई करने वाले कई मजदूरों ने भी इस बात को रेखांकित किया एवं चेताया कि सुरंग से बार-बार धसकते मलबे की समस्या है, मगर उस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। प्रश्न है कि कौन लोग इस उपेक्षा के लिये जिम्मेदार हैं। इसलिए यहां इन्फ्रास्ट्रक्चर को लेकर संवेदनशीलता की जरूरत है। खान या सुरंग में मजदूरों के फंसने की घटनाएं देश ही नहीं दुनियाभर में होती रहती हैं। कभी पहाड़ के धंसने से और कभी खदानों में पानी भरने से भीषण हादसे होते रहते हैं। जहां विकास की गंगा बहती है, वहां विनाश की संभावना से नकारा नहीं जा सकता। लेकिन हमें संभावित खतरों पर अधिक गंभीर होने की अपेक्षा है। मैदानी इलाकों में ही नहीं, उच्च हिमालयी क्षेत्र में भी सड़क, रेल और जलविद्युत परियोजनाओं तक के लिए सुरंगों का जाल बिछाया जा रहा है, क्योंकि सुरंगों को बहुत अच्छा विकल्प माना जाता है। क्या सुरंगें वाकई बेहतर विकल्प हैं? कैसे हो रहा है उनका निर्माण? इन प्रश्नों पर व्यापक मंथन की अपेक्षा है। ऐसा नहीं है कि भारत में ऐसी परियोजनाएं हर जगह ऐसी दुर्घटनाओं की शिकार हुई है। कोंकण रेलवे और दिल्ली मेट्रो की कई जटिल सुरंगों पर सफलतापूर्वक काम हुआ है। उत्तराखंड मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के डायरेक्टर एंड प्लानिंग बृजेश मिश्रा के अनुसार, सुरंग परियोजना में सबसे अहम जियो टेक्निकल इंवेस्टिगिशेन होता है, इसी से तय होता है कि सुरंग खुदाई के बाद कितनी देर तक टिक पाएगी। निर्माण के दौरान कोई बड़ा अवरोध या खतरा तो नहीं होगा। साथ ही इसे किस तरह के ट्रीटमेंट की जरूरत है, पर दुर्गम पहाड़ कई बार जांच उपकरण अधिक ऊंचाई तक ले जाना मुश्किल हो जाता है और जियो टेक्निकल इंवेस्टिगिशेन पर समग्रता से कार्य नहीं होता। कई बार राजनीतिक कारणों से जल्द काम निपटाने के दबाव में सुरंग के मुहाने पर किए गए अध्ययन के आधार पर ही काम शुरू कर दिया जाता है, जो बाद में बहुत भारी पड़ता है। ऐसे मामलों में बहुत कारगर कथन है कि सावधानी हटी और दुर्घटना घटी। उत्तराखंड सुरंग हादसे में शायद ऐसा ही हुआ। सिलक्यारा की घटना से एक तथ्य और सामने आया है कि ऐसे बचाव कार्य के लिए कोई पक्की योजना हमारे पास नहीं है। इसी वजह से विदेश से मदद लेनी पड़ी। अच्छा यही होगा कि इस घटना से सबक लेकर इस तरह के बचाव कार्य की पुख्ता प्रक्रिया और सामर्थ्य देश के पास हो, ताकि आने वाले वक्त में इस तरह का बचाव कार्य जल्द से जल्द और बिना किसी बाधा के पूरा किया जा सके।

मोदी का मकसद, कांग्रेस चुनौती न बने!

अजीत द्विवेदी

भाजपा ने क्यों पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में इतनी ताकत झोंकी? लोकसभा चुनाव से ठीक पहले क्यों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने को इस तरह दांव पर लगाया? क्यों मोदी और अमित शाह दोनों ने इन चुनावों को प्रतिष्ठा का सवाल बनाया है? क्यों ऐन केन प्रकारेण चुनाव जीतने की कोशिश हो रही है? आखिर पांच साल पहले भी तो इन राज्यों के चुनाव हुए थे और उनमें भी भाजपा हार गई थी, लेकिन उसके बाद लोकसभा चुनाव में पहले से ज्यादा सीटों के साथ जीती फिर इस बार इतनी चिंता करने की क्या जरूरत है? क्या भाजपा को लग रहा है कि इस बार 2018 और 2019 का इतिहास नहीं दोहराया जाएगा? क्या भाजपा को लग रहा है कि अगर पिछली बार की तरह इस बार कांग्रेस जीती तो 2024 की तस्वीर बदली हुई होगी? या यह माना जाए कि भाजपा के लिए यह रूटीन का मामला है, मोदी और शाह जिस तरह से सारे चुनाव लड़ते हैं वैसे ही ये चुनाव भी लड़ रहे हैं?

चार महीने पहले अगस्त में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के उम्मीदवारों की पहली सूची की घोषणा के साथ जिस तरह से इस बार के विधानसभा चुनावों का भाजपा ने आगाज किया उसे देख कर साफ लग रहा है कि यह रूटिन का चुनाव नहीं है। पिछली बार से उलट इस बार भाजपा ने किसी राज्य में मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित नहीं किया। पिछली बार भाजपा ने राजस्थान में वसुंधरा राजे, मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान और छत्तीसगढ़ में रमन सिंह के चेहरे पर चुनाव लड़ा था। इस बार भी ये तीनों नेता चुनाव लड़ रहे हैं लेकिन चुनाव उनके चेहरे पर नहीं, बल्कि नरेंद्र मोदी के चेहरे पर लड़ा जा रहा है। यह सही है कि प्रादेशिक नेताओं के मुकाबले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चेहरा ज्यादा लोकप्रिय है और भाजपा को वोट दिलाने वाला है लेकिन क्या लोकसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री का इस तरह अपनी साख दांव पर लगाना सही रणनीति है?

असल में पूर्वोत्तर के मिजोरम को छोड़ कर चार राज्यों- राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना का विधानसभा

चुनाव भाजपा सिर्फ जीत कर अपनी सरकार बनाने के लिए नहीं लड़ रही है, बल्कि कांग्रेस को हरा कर अगले साल के लोकसभा चुनाव में उसको चुनौती बनने से रोकने के लिए लड़ रही है। इन चार में से तीन राज्यों में कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधी लड़ाई है। अगर आमने सामने की इस लड़ाई में भाजपा को हरा कर कांग्रेस जीतती है तो इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्मे, उनकी सरकार के कामकाज और उनके बनाए नैरेटिव और हिंदुत्व, राष्ट्रवाद और उनके मजबूत नेतृत्व के ऊपर राहुल गांधी के करिश्मे और मोहब्बत की दुकान के उनके नैरेटिव की जीत माना जाएगा। इससे स्वाभाविक रूप से यह मैसेज बनेगा कि भाजपा को कांग्रेस अपने नैरेटिव, नेतृत्व और एजेंडे के दम पर हरा सकती है।

सीधे मुकाबले में भाजपा को हरा कर कांग्रेस अगले लोकसभा चुनाव में मुख्य चौलेंजर के तौर पर उभरेगी। प्रादेशिक पार्टियां भी मान लेंगी कि कांग्रेस ही भाजपा को हरा सकती है। यह धारणा बनने के बाद विपक्षी पार्टियां अपने आप उसके ईर्द-गिर्द इकट्ठा होंगी। पार्टियों के स्वाभाविक रूप से कांग्रेस के साथ गठबंधन में इकट्ठा होने के साथ साथ पूरे देश के भाजपा विरोधी मतदाता भी उसके पीछे खड़े होंगे। भाजपा विरोधी मतदाताओं की पहली पसंद कांग्रेस बनेगी। वे प्रादेशिक पार्टियां का साथ छोड़ कर भी कांग्रेस के पीछे एकजुट होंगे। इससे हिंदी पट्टी का पूरा चुनावी परिदृश्य बदल जाएगा। अब यह सवाल उठेगा कि पिछली बार भाजपा इन तीनों राज्यों में हार गई थी फिर क्यों नहीं चुनावी परिदृश्य बदला था? इसका पहला कारण यह था कि दो राज्यों- मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार 15 साल से चल रही थी और लोग उबे हुए थे तो राजस्थान में हर पांच साल में राज बदलने का रिवाज रहा है।

दूसरा कारण यह था कि ऐसा कुछ केंद्र सरकार के मामले में नहीं था। लोग नरेंद्र मोदी की सरकार से न नाराज थे और न उबे हुए थे। यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि मोदी से पहले भी देश के मतदाताओं ने मनमोहन सिंह को दूसरी बार सरकार चलाने का मौका दिया था। यह आम धारणा थी कि किसी भी सरकार के लिए एक कार्यकाल पर्याप्त नहीं होता है। लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एजेंडे पर भरोसा किया था और उनकी सरकार द्वारा शुरू की गई दर्जनों योजनाओ को पूरा करने के लिए एक कार्यकाल और दिया था। तीसरा कारण यह था कि कांग्रेस बहुत बिखरी हुई और कमजोर थी। लोगों ने भाजपा और नरेंद्र मोदी के प्रचार से प्रभावित होकर ही सही लेकिन 2014 में कांग्रेस को जिस अंदाज में सजा दी थी उससे लोगों का जी नहीं भरा था। इसलिए कांग्रेस को लेकर भाजपा के मन में ज्यादा चिंता नहीं थी।

इस बार हालात बदले हैं। 2019 के बाद पांच साल में कांग्रेस ने अपने को संभाला है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और दक्षिण भारत के दलित नेता मल्लिकार्जुन खडगे को अध्यक्ष चुनने के बाद कांग्रेस अपने पैरों पर खड़ी हुई है। उसके बाद कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक का चुनाव जीता है। तभी हिंदी पट्टी के तीन राज्यों के अलावा दक्षिण में तेलंगाना के चुनाव को भी भाजपा ने प्रतिष्ठा का सवाल बनाया है। वहां भी प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने को झोंका और सारे दांव आजमाए। दलित समूहों के वर्गीकरण के जरिए आरक्षण के भीतर आरक्षण का वादा हो या बाबर, औरंगजेब के नाम पर वोट मांगना हो या प्रवासी भारतीयों के लिए मंत्रालय बनाने का वादा हो, भाजपा ने चुनावी जंग छेड़ी है। वहां भाजपा किसी तरह से कांग्रेस को रोकने की कोशिश में है, चाहे के चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति चुनाव जीत जाए।

इसका कारण यह है कि कर्नाटक के बाद अगर तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार बनती है तो उसका कांग्रेस को दो फायदा है। पहला, संसाधनों से सक्षम दो राज्यों में कांग्रेस की सरकार बनी तो लोकसभा चुनाव लडने के लिए कांग्रेस के पास संसाधनों की कमी नहीं रहेगी। दूसरे, लोकसभा चुनाव में दक्षिण भारत के राज्यों में कांग्रेस बिग बैंग के साथ वापसी करेगी। ध्यान रहे कांग्रेस हर बार केंद्र में हारने के बाद दक्षिण से ही वापसी करती रही है। तेलंगाना की जीत कांग्रेस के लिए इसलिए भी अहम होगी क्योंकि कर्नाटक के बाद वह दूसरा राज्य होगा, जहां से यह मैसेज बनेगा कि देश का मुसलमान और दलित कांग्रेस के साथ लौट रहा है। राहुल और प्रियंका के साथ साथ खडगे का नेतृत्व भी मजबूत होगा, जिसका फायदा कांग्रेस को पूरे देश में मिल सकता है। इसलिए वहां भी कांग्रेस को रोकने का प्रयास हो रहा है। पांच राज्यों में 679 विधानसभा सीटों पर चुनाव हो रहे हैं अगर इसमें से कांग्रेस को भाजपा से ज्यादा सीटें मिलती हैं तो उसका बड़ा लाउड एंड क्लीयर मैसेज देश भर में जाएगा। अब तक भाजपा यह धारणा बना रही थी कि कांग्रेस से लडना उसके लिए आसान है और मोदी बनाम राहुल का चुनाव तो वह आसानी से जीतेगी लेकिन अब वही भाजपा चाहती

आज का राशिफल

मेष राशि आज का दिन आपके लिए बढिया रहने वाला है। आज आपका काम आसानी से पूरा होगा। किसी काम को पूरा करने या किसी योजना की शुरुआत करने के लिए आज का दिन बढिया है। आप जीवनसाथी के साथ किसी वैवाहिक उत्सव में शामिल होंगे। पारिवारिक सुख शांति बनी रहेगी। आज किसी मित्र से हुयी गलतफहमी को बात करके दूर करेंगे। आज घर की कुछ नयी जिम्मेदारियां आ सकती है, जिसे आप अच्छे से निभाएंगे। इस राशि के विवाहित लोगों के लिए आज का दिन ठीक है। जीवनसाथी को खुश करने के लिए नयी गाड़ी गिफ्ट कर सकते हैं।

' शुभ रंग- पीच
' शुभ अंक- 7

वृष राशि आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको अपने गुस्से पर काबू रखने की जरूरत है, नहीं तो कुछ लोग आपकी बातों का विरोध कर सकते है। आज काम से छुटकारा पाकर बच्चों के साथ समय बिताएंगे। इस राशि के कर्मचारियों को आज ऑफिस में बॉस से वाहवाही मिल सकती है। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन ठीक रहेगा । लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा है, कहीं घूमने जायेंगे। आज आप किसी जरूरतमंद की मदद के लिए आगे आएंगे।

' शुभ रंग- गोल्डन
' शुभ अंक- 3

मिथुन राश आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। इस राशि के सरकारी एग्जाम की तैयारी करने वाले स्टूडेंट्स को सफलता मिलने के योग बने हुए है। आज आप जहां जरुरत लगे वहां समझौता करने के लिए तैयार रहेंगे। आप अपनी योग्यता से अपने परिवार का नाम रोशन करेंगे। आज के दिन कोई करीबी खुशियों को दोगुना कर देगा। लवमेट के साथ लॉग ड्राईव पर जाने का प्लान कैंसिल करना पद सकता है। नवविवाहित दंपत्ति के बीच मीठी नोक-झोंक होगी, इससे रिश्ते में और मधुरता आएगी।

' शुभ रंग- सिल्वर
' शुभ अंक- 7

कर्क राशि आज आपका दिन नयी उमंगो से भरा रहेगा। आप जितनी मेहनत करेंगे उसके अनुकूल आपको लाभ मिलेगा। आपके संतान की सफलता पर बाधाइयां देने लोग, आपके घर आयेंगे। अगर काफी दिनों से आपका पैसा रुका है तो आज मिल जायेगा। आज आपके दैनिक कार्य आसानी से पूरे हो जाएंगे। आज घर में आप स्वादिष्ट भोजन का आन्नद उठायेंगे। आज आप दोस्तों के साथ खुशमिजाज और दोस्ताना स्वभाव रखेंगे। आज आपके पड़ोसी आपके कार्यों के लिए आपकी तारीफ करेंगे। आपके बच्चे बिजनेस में पूरा स्पोर्ट करेंगे। पुराने मित्रों के साथ अच्छा दिन बितेगा।

' शुभ रंग- सफेद
' शुभ अंक- 8

सिंह राशि आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। इस राशि के लोगों को अपनी सेहत का ध्यान रखने की जरूरत है । साथ ही रिश्तेदारों के साथ अपने रिश्तों को फिर तरोताजा करने का दिन है। आज दफ्तर में मशीनों की खराबी परेशानी का सबब बन सकती है। अगर आप किसी परिस्थिति से घबराकर भागेंगे, तो वह आपका पीछा नहीं छोड़ेगी, बेहतर हैं उसको उसी टाइम सॉल्व करें। आज अचानक आपको खुशखबरी मिलने के आसार नजर आ रहे है, जो आपके और परिवार वालों के जीवन में खुशियां भर देगा। परिवार के साथ रात को बाहर डिनर का प्लान बना सकते हो।

' शुभ रंग- लाल
' शुभ अंक- 2

कन्या राशि वालों आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आज के दिन किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक स्थिति में फायदा दिलाने वाला होगा। कार्यक्षेत्र में आपकी उन्नति होगी, कुछ नयी योजना भी बनायेंगे। आपका वैवाहिक जीवन रंगों से भरा रहेगा।

इजरायल हमास ने एक दिन के लिए और क्यों बढ़ाया युद्धविराम ?

ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि हमास चूंकि आतंकवादी संगठन है इसलिए वह कभी नहीं सुधर सकता। उन्होंने कहा कि ताजा घटना में यरूशलम के एक बस स्टॉप पर फलस्तीनी बंदूकधारियों की गोलीबारी में तीन इजराइली मारे गए और छह अन्य घायल हो गए। प्रभासाक्षी न्यूज नेटवर्क के खास कार्यक्रम शौर्य पथ में इस सप्ताह हमने ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) से जानना चाहा कि इजराइल और हमास संघर्ष में ताजा स्थिति क्या है? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि इजराइल और हमास जिस तरह युद्धविराम खत्म होने की समयसीमा के अंतिम समय में उसे एक दिन और बढ़ाने पर राजी हुए हैं वह दर्शा रहा है कि दोनों पक्ष सिर्फ बंधकों को छुड़ाने और लड़ाई के अगले चरण के लिए हथियार और साजो सामान जुटाने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस लड़ाई का दूसरा चरण ज्यादा घातक हो सकता है क्योंकि इजराइल प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को घरेलू मोर्चे पर राजनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि नेतन्याहू पर दबाव है कि वह बंधक इजराइलियों को सकुशल वापस लाएं और हमास को मिटाएं, इसलिए उन्हें किसी भी कीमत पर इस लक्ष्य को हासिल करना ही होगा। उन्होंने कहा कि लड़ाई के दूसरे चरण का खामियाजा गाजा की जनता को भुगतना पड़ेगा जोकि पहले ही बुनियादी जरूरतों का अभाव झेल रही है। उन्होंने कहा कि गाजा में 35 में से 27 अस्पताल खत्म हो चुके हैं जिससे लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है लेकिन हमास की कारगुजारियों के चलते आम लोग भी अंजाम भुगतने के लिए मजबूर हैं। ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि हमास चूंकि आतंकवादी संगठन है इसलिए वह कभी नहीं सुधर सकता। उन्होंने कहा कि जिस तरह यरूशलम के एक बस स्टॉप पर फलस्तीनी बंदूकधारियों की गोलीबारी में तीन इजराइली मारे गए और छह अन्य घायल हो गए, उससे क्षेत्र में फिर से हिंसा फैल गयी है। उन्होंने कहा कि इजराइल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट ने दोनों हमलावरों की पहचान पूर्वी यरूशलम के 38 वर्षीय मुराद नाम्र और उसके भाई 30 वर्षीय इब्राहिम नाम्र के रूप में की है। एजेंसी ने कहा है कि दोनों हमास के सदस्य थे और पहले आतंकी गतिविधि के लिए जेल जा चुके थे। इजराइली एजेंसी ने कहा है कि गाजा पट्टी में आतंकवादी तत्वों के निर्देशों के तहत आतंकवादी हमलों की साजिश रचने के लिए मुराद को 2010 और 2020 के बीच जेल में डाल दिया गया था और इब्राहिम को 2014 में अज्ञात आतंकवादी गतिविधि के लिए जेल की सजा हुई थी। वीडियो फुटेज से पता चला कि दोनों एम–16 असॉल्ट राइफल और एक हैंडगन से लैस थे। पुलिस को वाहन की तलाशी में भारी मात्रा में गोला–बारूद मिले। पुलिस किसी भी अतिरिक्त हमलावर से बचने के लिए इलाके की तलाशी ले रही है। ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि यह हमला इजराइल और हमास द्वारा युद्ध विराम को सातवें दिन बढ़ाने पर सहमति जताने के तुरंत बाद हुआ। उन्होंने कहा कि इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से एक घोषणा में कहा गया था कि युद्ध संबंधी मामलों के मंत्रिमंडल ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि समझौते की रूपरेखा में जिन मुद्दों पर सहमति बनी थी अगर उससे संबंधित एक सूची सुबह सात बजे (बृहस्पतिवार, 30 नवंबर 2023) तक नहीं दी गई तो लड़ाई तुरंत फिर से शुरू हो जाएगी। इजराइली पीएमओ ने अपने बयान में कहा कि रूपरेखा की शर्तों के अनुसार महिलाओं और बच्चों की एक सूची कुछ समय पहले इजराइल को सौंपी गई थी इसलिए विराम जारी रहेगा। पीएमओ ने कहा कि 30 नवंबर को रिहा होने वाले बंधकों की सूची प्राप्त होने के बाद, परिवारों को सूचित कर दिया गया है। ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि इजराइल–हमास युद्ध पर भारत का रुख 'रचनात्मक' है और उन्होंने दो राष्ट्र के समाधान (टू–स्टेट सॉल्यूशन) पर जोर दिया। उन्होंने हमास को एक ''आतंकवादी समूह'' करार देते हुए कहा कि इजराइल को अपनी रक्षा करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि इजराइल पर हमास के हमले को लेकर भारत तटस्थ नहीं है और उसने इस आतंकवादी कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि हमास एक आतंकवादी समूह है और उसने लोकतंत्र पर हमला किया है। हम इस संबंध में हमास के खिलाफ इजराइल की कार्रवाई का समर्थन करते हैं। लेकिन हम फलस्तीनी लोगों के खिलाफ उसकी कार्रवाई का समर्थन नहीं करते, जहां 20 लाख लोग रहते हैं। किसी व्यक्ति को इन दोनों के बीच अंतर करना होगा। उन्होंने कहा कि इस पर हमारा रुख रचनात्मक रहा है। हम आतंकवाद के खिलाफ हैं, क्योंकि इसने हमारे देश में भी तबाही मचाई है—— हम समस्या के लिए 'दो राष्ट्र' के समाधान का सुझाव देते हैं, जिसमें फलस्तीन और इजराइल दोनों को अपने–अपने देश की स्थापना का अधिकार होना चाहिए।

युद्ध भड़काने वाले अमेरिकी विदेश नीति के नायक हेनरी किसिंजर ने दुनिया को बदल दिया, इजराइल से लेकर चीन तक हुआ असर, ये है डिप्लोमेट की कहानी

हेनरी किसिंजर अमेरिका की विदेश नीति की लड़ाई के अंतिम पुरोधा थे। पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री का एक शताब्दी तक जीवित रहने के बाद 29 नवंबर, 2023 को निधन हो गया। स्वतंत्र विश्व की भू–राजनीति पर उनके प्रभाव को कम करके नहीं आंका जा सकता। सिडनी। पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री (विदेश मामलों के मंत्री के समकक्ष) और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हेनरी किसिंजर का 29 नवंबर को 100 वर्ष की आयु में निधन हो गया। किसिंजर दो राष्ट्रपतियों के अधीन अमेरिकी सरकार के एक प्रभावशाली सदस्य थे, लेकिन उन्हें अक्सर श्युद्ध भड़काने वालाश भी कहा जाता था। कई लोगों द्वारा इसे एक विवादास्पद व्यक्ति के रूप में देखा गया। हार्वर्ड के पूर्व प्रोफेसर और बाद में राजनयिक ने 1970 के दशक में रिपब्लिकन राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन और उनके उत्तराधिकारी गेराल्ड फोर्ड को सलाह देकर अमेरिकी विदेश नीति को आकार देने में मदद की। वियतनाम युद्ध के दौरान समझौते तक पहुंचने में मदद के लिए उन्हें 1973 में नोबेल पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। यह समझौता जल्द ही टूट गया, जो किसिंजर और युद्ध पर व्यापक अमेरिकी नीति के खिलाफ आलोचना का मुद्दा बन गया, जो उनके द्वारा छोड़ी गई ध्रुवीकृत विरासत को भी दर्शाता है। विदेश नीति की लड़ाई के अंतिम पुरोधा हेनरी किसिंजर हेनरी किसिंजर अमेरिका की विदेश नीति की लड़ाई के अंतिम पुरोधा थे। पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री का एक शताब्दी तक जीवित रहने के बाद 29 नवंबर, 2023 को निधन हो गया। स्वतंत्र विश्व की भू–राजनीति पर उनके प्रभाव को कम करके नहीं आंका जा सकता। दूसरे विश्व युद्ध से लेकर, जब वह अमेरिकी सेना में सैनिक थे, शीत युद्ध की समाप्ति तक और यहां तक घ्कि 21वीं सदी में भी, वैश्विक मामलों पर उनका महत्वपूर्ण, निरंतर प्रभाव रहा।जर्मनी से अमेरिका तक हेनरी किसिंजर का सफर जर्मनी से अमेरिका तक और फिर वापस 1923 में जर्मनी में जन्मे, वह 15 साल की उम्र में शरणार्थी के रूप में अमेरिका आए। उन्होंने किशोरावस्था में अंग्रेजी सीखी और उनके लहजे में जर्मन पुट उनकी मृत्यु तक उनके साथ रहा। सेना में भर्ती होने और अपने देश जर्मनी में सेवा करने से पहले उन्होंने न्यूयॉर्क शहर में जॉर्ज वाशिंगटन हाई स्कूल में पढ़ाई की। खुफिया कोर में काम करते हुए, उन्होंने गेस्टापो अधिकारियों की पहचान की और देश को नाजियों से मुक्त कराने के लिए काम किया। इसके लिए उन्हें कांस्य स्टार से दिया गया। किसिंजर अमेरिका लौटे और विश्वविद्यालय के संकाय में शामिल होने से पहले हार्वर्ड में अध्ययन किया। उन्हों ने उदारवादी रिपब्लिकन न्यूयॉर्क के गवर्नर नेल्सन रॉकफेलर – जो कि राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार थे – को सलाह दी और परमाणु हथियार रणनीति पर विश्व विशेषज्ञ बन गए। जब 1968 की प्राइमरी में रॉकफेलर के मुख्य प्रतिद्वंद्वी रिचर्ड निक्सन की जीत हुई, तो किसिंजर तुरंत निक्सन की टीम में चले गए। व्हाइट हाउस में एक सशक्त भूमिका निक्सन के व्हाइट हाउस में रहते, वह राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बने और बाद में साथ ही विदेश मंत्री का पद भी संभाला। उसके बाद से किसी ने भी एक ही समय में यह दोनों भूमिकाएँ नहीं निभाईं। निक्सन के लिए, किसिंजर की कूटनीति ने वियतनाम युद्ध के अंत और चीन के उभार की व्यवस्था कीरू शीत युद्ध के समाधान में दो संबंधित और महत्वपूर्ण घटनाएं। श्युद्ध भड़काने वालाश किसिंजर का फॉरमूला उन्होंने अपनी वियतनाम कूटनीति के लिए 1973 का नोबेल शांति पुरस्कार जीता, लेकिन कंबोडिया में बमबारी अभियान सहित संघर्ष के दौरान कथित अमेरिकी ज्यादतियों के लिए वामपंथियों ने उन्हें युद्ध अपराधी के रूप में निंदा की, जिसमें संभवतः सैकड़ों हजारों लोग मारे गए थे। आलोचना के बावजूद वह बने रहे चीन की ओर झुकाव ने न केवल वैश्विक शतरंज की बिसात को पुनर्व्यवस्थित किया, बल्कि इसने लगभग तुरंत ही वैश्विक बातचीत को वियतनाम में अमेरिकी हार से सोवियत विरोधी गठबंधन में बदल दिया। वाटरगेट घोटाले के कारण निक्सन को इस्तीफा देने के लिए मजबूर होने के बाद, किसिंजर ने निक्सन के उत्तराधिकारी गेराल्ड फोर्ड के अधीन विदेश मंत्री के रूप में कार्य किया। उस संक्षिप्त, दो–वर्षीय प्रशासन के दौरान, किसिंजर का कद और अनुभव संकटग्रस्त फोर्ड पर भारी पड़ गया। फोर्ड ने खुशी से अमेरिकी विदेश नीति किसिंजर को सौंप दी ताकि वह राजनीति पर ध्यान केंद्रित कर सकें और उस कार्यालय के लिए चुनाव लड़ सकें जिसके लिए लोगों ने उन्हें कभी नहीं चुना था। 1970 के अशांत दशक के दौरान, किसिंजर का कद और रूतबा लगातार बढ़ता रहा। यह भले बेहद आकर्षक न रहे हों, लेकिन वैश्विक शक्ति के ओहदे ने उन्हें एक आभा दी, जिसे हॉलीवुड अभिनेत्रियों और अन्य मशहूर हस्तियों ने देखा। उनका रोमांटिक जीवन कई गॉसिप कॉलम का विषय था। उनके लिए यह तक कहा गया कि ''ताकतवर होना परम कामोत्तेजक है''। फोर्ड प्रशासन के बाद अमेरिकी विदेश नीति में उनकी विरासत बढ़ती रही। उन्होंने निगमों, राजनेताओं और कई अन्य वैश्विक नेताओं को सलाह दी, अक्सर बंद दरवाजों के पीछे और कई बार सार्वजनिक रूप से भी। आलोचना और निंदा किसिंजर की कठोर आलोचना हुई और हो रही है। रोलिंग स्टोन पत्रिका के किसिंजर के मृत्युलेख का शीर्षक है ''अमेरिका के शासक वर्ग का प्रिय युद्ध अपराधी, अंततः मर गया''। विभाजनकारी वियतनाम वर्षों के दौरान अमेरिकी विदेश नीति के साथ उनका जुड़ाव कुछ आलोचकों के लिए एक जुनून जैसा है, जो वियतनाम के निर्दोष लोगों के खिलाफ युद्ध के भयानक कृत्यों को अंजाम देने वाले भ्रष्ट निक्सन प्रशासन के रूप में उनकी भूमिका को माफ नहीं कर सकते।

किसिंजर के आलोचक उन्हें अमेरिकी राजनीति के सर्वोत्तम व्यक्तित्व के रूप में देखते हैं – व्यक्तिगत सत्ता के लिए या विश्व मंच पर अपने देश के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए कुछ भी करने को तैयार। लेकिन मेरी राय में यह व्याख्या गलत है. नियाल फर्ग्यूसन की 2011 की जीवनी, किसिंजर, एक बहुत अलग कहानी बताती है। 1,000 से अधिक पृष्ठों में, फर्ग्यूसन ने युवा किसिंजर पर द्वितीय विश्व युद्ध के प्रभाव का विवरण दिया है। पहले वहां से भागना, फिर उसके खिलाफ लड़ने के लिए वापस आना, एक अनैतिक शासन ने भावी अमेरिकी विदेश मंत्री को दिखाया कि वैश्विक शक्ति को अच्छी तरह से प्रबंधित किया जाना चाहिए और अंततः लोकतंत्र और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए उपयोग किया जाना चाहिए। चाहे वह प्रशंसनीय शांति वार्ता स्थापित करने के लिए वियतनाम युद्ध नीति पर निक्सन को सलाह दे रहे थे, या सोवियत संघ को शह और मात में डालने के लिए चीन के लिए खुलेपन के विवरण की व्यवस्था कर रहे थे, किसिंजर की नजर हमेशा अधिनायकवाद और नफरत की ताकतों के खिलाफ पश्चिम के उदार मानवीय मूल्यों को संरक्षित करने और आगे बढ़ाने पर थी। जिस तरह से उन्होंने इसे देखा, ऐसा करने का एकमात्र तरीका अमेरिका और उसके सहयोगियों की प्रधानता के लिए काम करना था। इस लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए हेनरी किसिंजर से अधिक किसी ने प्रयास नहीं किया। इसके लिए उनकी प्रशंसा भी की जाएगी और निंदा भी।

दर्द के साथी रहे भारत और इजराइल के बीच बढ़ी दूरियां ?

भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में एक मसौदा प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया है जिसमें इजरायल के सीरियाई गोलान से पीछे नहीं हटने पर गहरी चिंता व्यक्त की गई है। सीरियाई गोलान दक्षिण पश्चिम सीरिया का एक क्षेत्र है जिस पर 5 जून 1967 को इजरायली सेना ने कब्जा कर लिया था। भारत और इजराइल को एक दूसरे का दर्द का साथी कहा जाता है। जब भारत को जरुरत थी तब निस्वार्थ होकर इजराइल ने भारत की मदद की और जब–जब इजराइल को जरुरत हुई तो भारत हमेशा इजराइल के साथ खड़ा रहा। इस समय इजराइल और हमास के बीच संघर्ष चल रहा है। ऐसे में जब हमास ने इजराइल पर रॉकेट हमला किया तो भारत ने बिना किसी संकोच के इजराइल का सपोर्ट किया। हमास और इजराइल के युद्ध के दौरान हमने दुनिया को दो विचारों में बटे हुए देखा है। जहां कुछ लोगों मे इजराइल का सपोर्ट किया वहीं कुछ लोगों ने गाजा पट्टी पर किए गये हमले के को लेकर इजराइल का विरोध किया। गाजा में नरसंहार की कई तस्वीरें सामने आयी जो विचलित कर देने वाली थी। मानव हत्या और मानव अधिकारों का भारत ने भी हमेशा समर्थन किया है। ऐसे में इजराइल द्वारा की गयी गाजा पर कार्यवाही की बड़े स्तर पर आलोचना हो रही थी। इजराइल पर अंकुश और दबाव बनाने के लिए कुछ संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव भी लाए गये। ऐसे में यूएन का सदस्य होने के कारण भारत के स्टैंड पर कई देशों की नजरें रही। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में एक मसौदा प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया है जिसमें इजरायल के सीरियाई गोलान से पीछे नहीं हटने पर गहरी चिंता व्यक्त की गई है। सीरियाई गोलान दक्षिण पश्चिम सीरिया का एक क्षेत्र है जिस पर 5 जून 1967 को इजरायली सेना ने कब्जा कर लिया था। 193 सदस्यीय यूएनजीए ने 28 नवंबर को एजेंडा आइटम श्मध्य पूर्व में स्थितिश के तहत मसौदा प्रस्ताव श्द सीरियाई गोलानश पर मतदान किया। इजराइल के खिलाफ क्यों खड़ा हुई भारत भारत ने सीरियाई गोलन से इजराइल के वापस नहीं हटने को लेकर गहरी चिंता जताने वाले ,संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में पेश एक मसौदा प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया है। सीरियाई गोलन दक्षिण पश्चिम सीरिया में एक क्षेत्र है जिस पर पांच जून, 1967 को इजराइली सुरक्षा बलों ने कब्जा कर लिया था। 'पश्चिम एशिया में स्थिति' विषय पर आधारित एजेंडा के तहत 'सीरियाई गोलन' नामक प्रस्ताव पर मंगलवार को 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा में मतदान हुआ। मिस्र ने प्रस्ताव पेश किया जिसके पक्ष में 91 वोट पड़े और आठ ने इसके विरुद्ध मतदान किया जबकि 62 सदस्य गैर हाजिर रहे। प्रस्ताव के पक्ष में भारत के अलावा इन देशों ने भी किया प्रस्ताव का समर्थन भारत के अलावा प्रस्ताव के पक्ष में मतदान करने वालों में बांग्लादेश, भूटान, चीन, मलेशिया, मालदीव, नेपाल, रूस, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात शामिल थे। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, इजराइल, ब्रिटेन और अमेरिका ने मसौदा प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया। प्रस्ताव में इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त की गई है कि प्रासंगिक सुरक्षा परिषद और महासभा के प्रस्तावों के विपरीत इजराइल सीरियाई गोलन से पीछे नहीं हटा है, जो 1967 से उसके कब्जे में है। प्रस्ताव में घोषित किया गया कि इजराइल सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 497 (1981) का पालन करने में विफल रहा है। साथ ही इसमें कहा गया कि ''कब्जे वाले सीरियाई गोलन हाइट्स में अपने कानून, अधिकार क्षेत्र और प्रशासन को लागू करने का इजराइल का निर्णय अमान्य और अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रभाव के बिना है।'' मंगलवार के प्रस्ताव में 14 दिसंबर, 1981 के इजराइली फैसले को भी अमान्य घोषित कर दिया गया और कहा गया कि इसकी कोई वैधता नहीं है। इसने इजराइल से अपना निर्णय रद्द करने का आह्वान किया। प्रस्ताव में 1967 से कब्जे वाले सीरियाई गोलन में इजराइली बस्ती निर्माण और अन्य गतिविधियों की अवैधता पर भी जोर दिया गया।

भारत के दुश्मन नंबर वन की मौत, इंदिरा गांधी को दी थी गंदी गाली, भारतीयों को कहा था कमीने वासना के भूखे...

एक अमरीकी राज्य सचिव हेनरी किसिंजर थे जो भारतीयों से नफरत करते थे। राज्य सचिव हेनरी किसिंजर की हर नीति भारतीयों के खिलाफ ही होती थी। उनका वश चलाता तो वह भारत को नक्शे से हटाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते थे। इसका प्रमाण उनकी एक ऑडियो क्लीप सामने आ ने के बाद हुआ। आज भारत की विश्व के अंदर अपनी एक साख है और वह विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। हर ओर भारत का बखान किया जाता है लेकिन एक समय ऐसा था जब विश्व दो गुटो में बटा था और अमेरिका भारत का विरोधी होता जा रहा था। उसी जमाने के एक अमरीकी राज्य सचिव हेनरी किसिंजर थे जो भारतीयों से नफरत करते थे। राज्य सचिव हेनरी किसिंजर की हर नीति भारतीयों के खिलाफ ही होती थी। उनका वश चलाता तो वह भारत को नक्शे से हटाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते थे। इसका प्रमाण उनकी एक ऑडियो क्लीप सामने आ ने के बाद हुआ। जिसमें वह भारत के प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को गाली दे रहे हैं और भारतीय के बारे में गंदे विचार दे रहे हैं। जुलाई 2005 में, अमेरिकी विदेश विभाग ने 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध से कुछ समय पहले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन और राज्य सचिव हेनरी किसिंजर के बीच टेप की गई बातचीत को सार्वजनिक कर दिया। 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध के बाद बांग्लादेश का जन्म हुआ था। हेनरी किसिंजर ने भारतीयों को कमीना कहा और प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को दी थी गंदी गाली टेप में दोनों को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से मुलाकात के तुरंत बाद उनके बारे में बात करते हुए सुना जा सकता है। तीखी बातचीत के दौरान, निक्सन ने श्रीमती गांधी को ष्बूढ़ी चुड़ैलष कहा। किसिंजर इंदिरा गांधी को ष्बी'''सीष कहते हैं और कहते हैं कि ष्भारतीय वैसे भी कमीने हैंष। टेप में भारतीय महिलाओं के खिलाफ निक्सन की अपमानजनक टिप्पणियाँ और भारतीयों को ष्सबसे कामुकष और ष्दयनीयष बताया गया था। टिप्पणी सार्वजनिक होने के तुरंत बाद, किसिंजर ने कहा कि उन्हें अपनी टिप्पणी पर खेद है और वह श्रीमती गांधी का सम्मान करते हैं। अभद्र भाषा का टेप सार्वजनिक होने के बाद हेनरी किसिंजर ने मांगी थी मांफी उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि ष्अभद्र भाषा को 35 साल पहले शीत युद्ध के माहौल के संदर्भ में देखा जाना चाहिए, जब मैंने चीन की गुप्त यात्रा की थी जब राष्ट्रपति निक्सन वहां नहीं गए थे और भारत ने एक तरह का गठबंधन सोवियत संघ के साथ बना लिया था। क्षति–नियंत्रण के प्रयास के बावजूद, टेप किसिंजर की विरासत का एक अमिट हिस्सा बन गए।1971 के युद्ध के दौरान अमेरिका ने पाकिस्तान का समर्थन क्यों किया? निक्सन प्रशासन भारतीय उपमहाद्वीप में सोवियत प्रभाव के प्रसार को लेकर चिंतित था, विशेषकर यूएसएसआर के साथ भारत के बढ़ते संबंधों के बीच। इसका मुकाबला करने के लिए, अमेरिका ने चीन से संपर्क करना शुरू कर दिया, जिसका भारत और यूएसएसआर के साथ तनाव था। यह आउटरीच पाकिस्तान के माध्यम से शुरू की गई थी और अमेरिका को डर था कि पूर्वी पाकिस्तान में अत्याचारों का जवाब देने से यह आउटरीच अवरुद्ध हो जाएगी। किसिंजर ने 2016 में द अटलांटिक को दिए एक साक्षात्कार में कहा था कि जब बांग्लादेशी संकट शुरू हुआ, तब तक अमेरिका और चीन सफलता के कगार पर थे। भारत के दुश्मन नंबर बन का निधन राजकाज और राजनीति में माहिर राजनयिक का निधन हो गया। वह 100 वर्ष के थे। द अटलांटिक साक्षात्कार में उन्होंने कहा था कि मानवाधिकार अमेरिकी नीति का एक ष्अनिवार्य लक्ष्यष है, ष्लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा भी है। कुछ स्थितियों में, उनके बीच किसी विकल्प की आवश्यकता नहीं होती है, जिससे नैतिक मुद्दा अपेक्षाकृत सरल हो जाता है। किसिंजर ने कहा ष्ऐसी स्थितियाँ होती हैं जिनमें संघर्ष उत्पन्न होता है, विशेष रूप से जब अमेरिकी सुरक्षा या अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण कोई देश हमारे मूल्यों के विपरीत आचरण में संलग्न होता है, तो राष्ट्रपति को कई निर्णय लेने की आवश्यकता होती है, संघर्ष की भयावहता के बारे मेंय उपलब्ध संसाधन इसका समाधान करने के लिए, इसके संभावित विकास पर हमारे कार्यों का प्रभाव, और अंत में, यदि राष्ट्रपति आगे बढ़ने के लिए एक मार्ग की पहचान करते हैं, तो उस प्रयास को बनाए रखने के लिए अमेरिकी जनता की इच्छा होगी। 1971 का युद्ध चीन के साथ एक योजना तैयार करने और हिंद महासागर में एक विमान वाहक तैनात करने की हद तक भारतीयों को ष्डरानेष के अमेरिकी प्रयासों के बावजूद, भारत ने 1971 के युद्ध में पाकिस्तान को हरा दिया और बांग्लादेश का जन्म हुआ। अमेरिकी कदम का मुकाबला करने के लिए भारत ने सोवियत रूस से भारत–सोवियत सुरक्षा समझौते के एक प्रावधान को सक्रिय करने के लिए कहा था, जिसके अनुसार भारत पर हमला रूस पर हमला माना जाएगा। तदनुसार, रूस ने अपना एक बेड़ा बंगाल की खाड़ी में भेजा था। पाकिस्तान के साथ अपने समझौते का हवाला देते हुए अमेरिका को जवाब देते हुए, श्रीमती गांधी ने तब कहा था कि संधियों का उद्देश्य ष्साम्यवाद को रोकना है... लोकतंत्र से लड़ना, या न्याय या उत्पीड़ितों की आवाज को दबाना नहीं विडंबना यह है कि बांग्लादेश के आजाद होने के एक दिन बाद, किसिंजर ने निक्सन से कहा था कि वह बाद में सार्वजनिक किए गए दस्तावेजों के अनुसार, ष्पश्चिमी पाकिस्तान को बचानेष में कामयाब रहे हैं।

भारत के खिलाफ कनाडा ने अमेरिका संग मिलाए सुर... खालिस्तानियों की हत्या को लेकर फिर कड़वे हो सकते है

कनाडा ने ब्रिटिश कोलंबिया में एक सिख अलगाववादी की हत्या की जांच में भारत से अधिक सहयोग मांगा है। ऐसे तब हुआ जब संयुक्त राज्य अमेरिका ने आरोप लगाया था कि उसने सिख फॉर जस्टिस के नेता गुरपतवंत सिंह पन्नून के खिलाफ हत्या के प्रयास को विफल कर दिया था। कनाडा ने ब्रिटिश कोलंबिया में एक सिख अलगाववादी की हत्या की जांच में भारत से अधिक सहयोग मांगा है। ऐसे तब हुआ जब संयुक्त राज्य अमेरिका ने आरोप लगाया था कि उसने सिख फॉर जस्टिस के नेता गुरपतवंत सिंह पन्नून के खिलाफ हत्या के प्रयास को विफल कर दिया था, जो न्यूयॉर्क स्थित समूह है। वह भारत के भीतर एक स्वतंत्र सिख राज्य की मांग कर रहा है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के हवाले से कहा, ष्संयुक्त राज्य अमेरिका से आ रही खबरें इस बात को और रेखांकित करती हैं कि हम शुरू से ही किस बारे में बात कर रहे हैं, यानी कि भारत को इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है।ष अमेरिकी न्याय विभाग ने बुधवार को कहा कि वह 52 वर्षीय निखिल गुप्ता पर आरोप लगा रहा है, जिसने एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ काम किया था, जिसने एक हिटमैन को काम पर रखकर पन्नुन को मारने की साजिश रची थी। अमेरिका के ये आरोप कनाडा द्वारा जून में वैंकूवर उपनगर में सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय कार्यकर्ताओं को शामिल करने के विश्वसनीय आरोपों को स्वीकार करने के लगभग दो महीने बाद आए, इस आरोप का भारत ने खंडन किया है। ट्रूडो ने सहयोग की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, ष्भारत सरकार को यह सुनिश्चित करने के लिए हमारे साथ काम करने की जरूरत है कि हम इसकी तह तक पहुंच रहे हैं। कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने बुधवार को भारत से बढ़ते सहयोग की अपेक्षा पर बल देते हुए चल रही हत्या की जांच में अधिक पारदर्शी होने का आग्रह किया।अमेरिका और कनाडा दोनों भारत–प्रशांत में चीनी प्रभाव का मुकाबला करने के लिए भारत के साथ संबंधों को मजबूत करना चाहते हैं, लेकिन ये आरोप उन प्रयासों को जटिल बनाते हैं। नई दिल्ली और ओटावा के बीच निकट भविष्य में सुलह की संभावना कम लगती है, क्योंकि कनाडा में हत्या की जांच चल रही है और भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी मई तक राष्ट्रीय चुनाव की तैयारी कर रहे हैं।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शुक्रवार 01 दिसंबर 2023
sheelshukla100@gmail.com

मुझे रविंद्र जडेजा से ईर्ष्या होती है आर अश्विन ने किया खुलासा, जानें क्या कहा ?

हाल ही में स्पोर्टस्टार पर बातचीत करते हुए अश्विन ने कहा कि, विराट कोहली आज दुनिया के सबसे सेब्रल क्रिकेटर हैं। हालांकि, मुझे जिस क्रिकेटर से सबसे ज्यादा ईर्ष्या होती है, वह हैं रविंद्र जडेजा। भारतीय टीम स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा अगर टीम इंडिया के साथ खेलते हैं तो उनकी मौजूदगी से टीम को मजबूती मिलती है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी के अलावा फील्डिंग में भी सर जडेजा जैसा कारनामा दूसरे खिलाड़ी कम ही कर पाते मुकाबले में देखा गया था। हाल ही में स्पोर्टस्टार पर बातचीत करते हुए अश्विन ने कहा कि, विराट कोहली आज दुनिया के सबसे सेब्रल क्रिकेटर हैं। हालांकि, मुझे जिस क्रिकेटर से सबसे ज्यादा ईर्ष्या होती है, वह हैं रविंद्र जडेजा। वहीं अश्विन ने कहा कि, जडेजा की यात्रा और मेरी यात्रा काफी विपरीत है। जडेजा दिनोंदिन एक ही जगह पर गेंद डाल सकते हैं, मैदान पर काफी एथलेटिक हो सकते हैं। बल्ले से बेहद सरल हो सकते हैं और ज्यादातर दिनों मिलियम डॉलर कमा सकते हैं। मैं ऐसा करने का जोखिम नहीं उठा सकता हूं। अमूमन अश्विन अपने मन की बात कहने में हिचकिचाते हैं। वह ये बात जडेजा से नहीं बोल पा रहे थे। उन्होंने इस बात का भी खुलासा किया है कि अक्सर दोनों स्पिनरों में बेहतर होने को लेकर खींचतान रहती है।

टी 20 सीरीज जीतने पर टीम इंडिया की नजरें, युवा गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

शुक्रवार को रायपुर में भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेला जाएगहा। वहीं इस मैच में ग्लेन मैक्सवेल की गैर मौजूदगी का फायदा उठाते हुए भारत के युवा गेंदबाज डैथ ओवरों में बेहतर प्रदर्शन की कोशिश करेंगे। भारतीय टीम आस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार को यहां चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में उतरेगी तो ग्लेन मैक्सवेल की गैर मौजूदगी का फायदा उठाते हुए युवा गेंदबाज डैथ ओवरों में बेहतर प्रदर्शन की कोशिश करेंगे। तीसरे मैच में भारत के दूसरे दर्जे के गेंदबाज आखिरी दो ओवरों में 43 रन बनाने से भी आस्ट्रेलिया को रोक नहीं सके। आस्ट्रेलिया ने 223 रन का विशाल लक्ष्य हासिल करके मैच जीता। प्रसिद्ध कृष्णा ने चार ओवरों में 68 और आखिरी ओवर में 21 रन दे डाले। दीपक चाहर की टीम में वापसी हुई है और वह नयी गेंद से उपयोगी साबित हो सकते हैं। वहीं एक मैच के ब्रेक के बाद डैथ ओवरों के विशेषज्ञ मुकेश कुमार भी टीम में लौटे हैं। प्रसिद्ध और आवेश खान के पास विविधता और नयेपन का अभाव दिखा। दोनों ने 130 या 140 की रफ्तार से गेंदबाजी की लेकिन गेंद की लैंग्थ में विविधता नहीं ला सके जिससे बल्लेबाज के लिये उसे भांपना आसान हो गया। इसके अलावा दोनों प्रभावी यॉर्कर डालने में भी नाकाम रहे। बल्लेबाजी में श्रेयस अय्यर की वापसी के मायने हैं कि तिलक वर्मा को बाहर रहना पड़ सकता है चूंकि यशस्वी जायसवाल, रूतुराज गायकवाड़, ईशान किशन, कप्तान सूर्यकुमार यादव और फिनिशर रिंकू सिंह का चयन तो तय है। भारतीय टीम मैक्सवेल की कमी का फायदा उठाने की कोशिश करेगी जिन्होंने अपने दम पर आस्ट्रेलिया को तीसरा मैच जिताया था। उन्होंने 48 गेंद में 104 रन की नाबाद पारी खेली थी। स्टीव स्मिथ और एडम जम्पा भी स्वदेश लौट चुके हैं चूंकि वे विश्व कप टीम में भी थे और भारत में प्रवास काफी लंबा हो गया था। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने टी20 विश्व कप से पहले कार्यभार प्रबंधन और फिटनेस को ध्यान में रखते हुए अपने कई शीर्ष खिलाड़ियों को इस श्रृंखला से फारिग कर दिया है। अब भारतीय गेंदबाजों के सामने टिम डेविड, जोश फिलीप और बेन मैकडरमोट की चुनौती होगी जो पिछले पांच छह सप्ताह में सीमित ओवरों के क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। इनके अलावा विश्व कप फाइनल में यादगार पारी खेलने वाले ट्रेविस हेड और अनुभवी कप्तान मैथ्यू वेड भी टीम में हैं। गुवाहाटी की तरह यहां भी ओस की भूमिका अहम होगी और टॉस जीतने वाला कप्तान लक्ष्य का पीछा करना चाहेगा। इससे पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को दूसरी पारी में गीली गेंद से जूझना होगा। भारत के युवा बल्लेबाजों यशस्वी, ईशान किशन, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा और खुद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जरूरत के समय अच्छी पारियां खेली हैं। रूतुराज गायकवाड़ ने तीसरे मैच में 57 गेंद में 123 रन बनाये।टीमें भारत सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, इशान किशन, यशस्वी जयसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, आवेश खान, मुकेश कुमार। ऑस्ट्रेलियारू मैथ्यू वेड (कप्तान), आरोन हार्डी, जेसन बेहरेनडोर्फ, सीन एबट, टिम डेविड, नाथन एलिस, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, तनवीर संघा, मैट शॉर्ट,जोश फिलीप, केन रिचर्डसन, बेन ड्वारशुइस, क्रिस ग्रीन, बेन मैकडरमोट।

टी 20 वर्डकप 2024 के लिए युगांडा ने क्वालिफाई कर रचा इतिहास, जिम्बाब्वे टीम हुई बाहर, जानें सभी 20 टीमें

टी 20वर्डकप 2024 के लिए सभी 20 टीमें तय हो चुकी हैं। इसी कड़ी में युगांडा की टीम ने इतिहास रचते हुए वेस्टइंडीज और यूएसए में खेले जाने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए क्वालिफाई करने वाली अफ्रीका क्षेत्र की दूसरी टीम है। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए सभी 20 टीमें तय हो चुकी हैं। इसी कड़ी में युगांडा की टीम ने इतिहास रचते हुए वेस्टइंडीज और यूएसए में खेले जाने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए क्वालिफाई करने वाली अफ्रीका क्षेत्र की दूसरी टीम है। दूसरी ओर, जिम्बाब्वे टीम इस लिस्ट से बाहर हो गई है। वो लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप में जगह बनाने से चूक गई है। जिम्बाब्वे को टी20 वर्ल्ड कप में जगह बनाने की किसी भी उम्मीद के लिए युगांडा पर रवांडा की जीत के लिए प्रार्थना करनी पड़ी। युगांडा ने टूर्नामेंट के अपने आखिरी गेम में रवांडा को केवल 65 रनों पर ढेर कर दिया और केवल 8.1 ओवर में नौ विकेट शेष रहते लक्ष्य हासिल कर 6 मैचों में प्रतियोगिता की अपनी पांचवीं जीत दर्ज की है। जिम्बाब्वे को टी20 वर्ल्ड कप में जगह बनाने के लिए युगांडा पर रवांडा की जीत की जरूरत थी। लेकिन युगांडा ने टूर्नामेंट के अपने अंतिम मैच में रवांडा को केवल 65 रनों पर ढेर कर दिया और केवल 8.1 ओवर में 9 विकेट शेष रहते लक्ष्य हासिल कर 6 मैचों में प्रतियोगिता की अपनी पांचवीं जीत हासिल की। टी20 वर्ल्ड कप के लिए लाइन–अप की अब पुष्टि हो गई है। जिसमें वेस्टइंडीज और संयुक्त राज्य अमेरिका मेजबान होने के कारण क्वालिफाई कर रहे हैं। जबकि टी20 वर्ल्ड कप 2022 की टॉप 8 टीमों ने भी टूर्नामेंट में जगह बनाई है। अफगानिस्तान और बांग्लादेश ने टी20 रैंकिंग के आधार पर क्वालिफाई किया। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए क्वालिफाई करने वाली टीमें वेस्टइंडीज, अमेरिका,

ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, पापुआ न्यू गिनी, कनाडा, नेपाल, ओमान, नामीबिया, युगांडा।

रोहित–हार्दिक की गैरमौजूदगी में सूर्या को मिलेगी कमान!। के खिलाफ टी20 सीरीज में हो सकते हैं कप्तान

दरअसल, रोहित शर्मा की उपलब्धता को लेकर अभी अनिश्चितता मंडरा रही है। वहीं हार्दिक फिट नहीं है। ऐसे में सूर्या को टीम की कमान मिल सकती है। वहीं कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि चयनकर्ता रोहित शर्मा को मनाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। बीसीसीआई आज साउथ अफ्रीका दौरे के लिए टीम का ऐलान कर सकती है। 10 दिसंबर से डरबन में खेले जाने वाले पहले टी20 मैच को लेकर भारत के चयनकर्ता परेशान हैं। दरअसल, रोहित शर्मा की उपलब्धता को लेकर अभी अनिश्चितता मंडरा रही है। वहीं हार्दिक फिट नहीं है। ऐसे में सूर्या को टीम की कमान मिल सकती है। वहीं कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि चयनकर्ता रोहित शर्मा को मनाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। बीसीसीआई सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर पीटीआई को बताया है कि, हां ये सवाल बना हुआ है कि हार्दिक के वापस आने पर क्या होगा? लेकिन बोर्ड को लगता है कि अगर रोहित टी20 में नेतृत्व करने के लिए मान जाते हैं तो वह टी20 वर्ल्ड कप में टीम का नेतृत्व कर सकते हैं। अगर रोहित सहमत नहीं होते हैं तो सूर्या दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी टी20 सीरीज में कप्तान बने रहेंगे। वर्ल्ड कप के बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया ने सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व के साथ नए युग में प्रवेश किया है। भारत ने टी20 सीरीज के लिए अनुभवी रोहित, विराट, केएल राहुल और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया है। वहीं हार्दिक पांड्या टखने की चोट के कारण एक और महीने क्रिकेट मैदान से दूर रहेंगे। भारत को तीन मैचों की टी20 और इतने ही मैचों की वनडे सीरीज के बाद दो टेस्ट मैच दक्षिण अफ्रीका का दौरे पर खेलेगा। वहीं बीसीसीआई के एक सूत्र ने समाचार एजेंसी को बताया कि हां, ये सवाल बना हुआ है कि हार्दिक पंड्या के वापस आने पर क्या होगा? लेकिन बीसीसीआई को लगता है कि अगर रोहित टी20 में नेतृत्व करने के लिए सहमत होते हैं तो वह टी20 वर्ल्ड कप में नेतृत्व करेंगे। साथ ही अगर वो सहमत नहीं होते हैं तो सूर्या कप्तान रहेंगे।

बेन स्टोक्स ने भारत दौरे से पहले कराई घुटने की सर्जरी, अब रिहैब में रहना होगा

बेन स्टोक्स के घुटने की सर्जरी सफलता पूर्वक हो गई है। स्टोक्स ने इसकी जानकारी खुद अपने सोशल मीडिया हैंडल से दी है। इस दौरान उन्होंने बैसाखी के सहारे खड़े होने की तस्वीर भी शेयर की है। इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स के घुटने की सर्जरी सफलता पूर्वक हो गई है। स्टोक्स ने इसकी जानकारी खुद अपने सोशल मीडिया हैंडल से दी है। इस दौरान उन्होंने बैसाखी के सहारे खड़े होने की तस्वीर भी शेयर की है। सर्जरी पूरी होने के बाद हरफनमौला अब रिहैब में रहेंगे। उन्हें पूरी तरह से फिट होने में 5 से 7 हफ्ते का समय लग सकता है। स्टोक्स ने लंदन के क्रोमवेल हॉस्पिटल के बाहर बैसाखियों के सहारे खड़े अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर डालते हुए लिखा ,'' भीतर और बाहर। अंडर द (नाइफ इमोजी) डन। रिहैब शुरू।'' ऐसे में वह भारत के खिलाफ जनवरी 2024 में होने वाली 5 मैच की टेस्ट सीरीज के लिए उपलब्ध रहेंगे। सीरीज का पहला मैच 25 जनवरी से हैदराबाद में खेला जाएगा। बेन स्टोक्स पिछले कुछ समय से अपने घुटने की चोट से परेशान चल रहे थे। इस चोट के चलते ही वह मैदान पर अपना शत प्रतिशत भी नहीं दे पा रहे थे। जिस कारण से कहा जा रहा था कि वह भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से भी बाहर हो सकते हैं। लेकिन अब उनकी सर्जरी हो गई है जिसके बाद उनके ना खेलने की खबरें सिर्फ खबरें बन कर रह जाएंगी। वहीं, 32 वर्ष के स्टोक्स इस साल आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले तीन एशेज टेस्ट में गेंदबाजी नहीं कर सके थे और विश्व कप में भी बतौर बल्लेबाज ही खेले थे। उन्होंने इस महीने की शुरूआत में कहा था कि वह विश्व कप के बाद आपरेशन करायेंगे। आईपीएल 2024 नहीं खेलेंगे स्टोक्स बता दें

रुतुराज गायकवाड़ की बल्लेबाजी के मुरीद हुए आशीष नेहरा, कहा– वह तीनों फार्मेट में भारत के लिए खेल सकते हैं

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में गायकवाड़ ने महज 57 गेंदों में 123 रन की बेहतरीन पारी खेली। जिसके बाद अब उनसे चौथे मुकाबले में भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। इसके साथ ही रुतुराज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 में शतक जड़ने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज का चौथा मुकाबला शुक्रवार यानी 1 दिसंबर को खेला जाएगा। तीसरे मुकाबले में हार झेलने के बाद भारत की कोशिश चौथे मुकाबले को अपने नाम करना होगा। फिलहाल, भारत पांच मैचों की सीरीज में 2–1 से आगे है। वहीं तीसरे टी20 मैच में रुतुराज गायकवाड़ ने अपने बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा। बता दें कि, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में गायकवाड़ ने महज 57 गेंदों में 123 रन की बेहतरीन पारी खेली। जिसके बाद अब उनसे चौथे मुकाबले में भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। इसके साथ ही रुतुराज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 में शतक जड़ने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं इसी कड़ी में रुतुराज की बेहतरीन पारी की तारीफ करने से पूर्व क्रिकेट आशीष नेहरा खुद को रोक नहीं पाए। उन्होंने कहा कि, रुतुराज गायकवाड़ एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो भारत के लिए तीनों फॉर्मेट खेल सकते हैं। आशीष नेहरा के मुताबिक गायकवाड़ के पास पारी संभालने से लेकर बड़े–बड़े शॉट खेलने की क्षमता मौजूद है। ऐसे में वह वनडे क्रिकेट में भी भारत के लिए बड़े कारनामे कर सकते हैं।

आइस क्यूब या फिर ठंडा पानी... आपके चेहरे के लिए क्या है ज्यादा काम की चीज ? जानें

त्वचा की देखभाल कोई बच्चों का खेल नहीं है. लेकिन सीखी गई और आजीवन अपनाई गई कुछ तकनीकें आपकी त्वचा की देखभाल की दिनचर्या को बदलने और इसे अधिक स्वच्छ और पालन करने में आसान बनाने में आपकी मदद कर सकती हैं. अधिकांश लोग जागने के बाद अपनी त्वचा पर नल का ठंडा पानी चेहरे पर इस्तेमाल करना पसंद करते हैं. लेकिन ऐक्ट्रेस भाग्यश्री जैसे कुछ अन्य लोगों का मानना है कि बर्फ रगडना बेहतर काम करता है.

स्किन को ब्यूटीफुल और ग्लोइंग बनाने के लिए लोग क्या–क्या नहीं करते. कोई तरह–तरह के लेप का इस्तेमाल करता है तो कोई बर्फ के पानी का नुस्खा आजमाता है. जैसा कि गर्मियां आ गई हैं, ऐसे में तमाम लोग ठंडी चीजों का रुख करेंगे. कुछ लोग गर्मियों में स्किन को हेल्दी रखने के लिए बर्फ का भी इस्तेमाल करते हैं, जैसे बर्फ लगाना या बर्फ के पानी में मुंह डालना. चेहरे पर बर्फ का इस्तेमाल को आइस वॉटर फेशियल कहा जाता है.आइस वॉटर फेशियल चेहरे के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है. माना जाता है कि इसके इस्तेमाल से आपकी स्किन कूल रहती है और चेहरे पर ग्लो भी आता है. आइस वॉटर फेशियल से आपकी त्वचा के टॉक्सिन्स दूर होते हैं और तो और स्ट्रेस में भी कम होता है. हालांकि कई बार गलत तरीके से इसका इस्तेमाल करने की वजह से ये फेशियल स्किन को फायदे देने की बजाय नुकसान पहुंचा देता है. आइस वॉटर फेशियल करते वक्त आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए, नहीं तो स्किन से जुड़ी ये समस्याएं गले पड़ सकती हैं.आइस वॉटर फेशियल के नुकसान 1. स्किन इरिटेशनबर्फ के पानी का इस्तेमाल करते वक्त अगर आइस क्यूब्स को डायरेक्ट फेस पर या स्किन पर लगाया जाता है तो इससे जलन की समस्या पैदा हो सकती है. इसलिए इन परेशानियों से बचने के लिए हमेशा बर्फ के टुकड़े को रुमाल या किसी कॉटन के कपड़े में बांधकर चेहरे पर लगाएं. चेहरे पर बर्फ लगाने के बाद इसे साफ पानी में अच्छी तरह जरूर धोएं.2. बैक्टीरियल इन्फेक्शन का खतराअगर आप बिना फेस धोए डायरेक्ट आइस वॉटर फेशियल करती हैं तो अगली बार से ऐसा करने से बचें. क्योंकि इससे आपके चेहरे पर बैक्टीरियल इंफेक्शन हो सकता है. बर्फ को गंदे चेहरे पर रगडने से चेहरे पर मौजूद बैक्टीरिया और गंदगी स्किन के रोमछिद्रों में घुस जाती है. जिसकी वजह से आपको स्किन का इंफेक्शन हो सकता है.3. सेंसेटिव स्किन के लिए नुकसानदेहजिन लोगों की त्वचा बहुत सेंसेटिव होती है, उनके लिए आइस वॉटर फेशियल नुकसानदायक साबित हो सकता है. सेंसेटिव स्किन वाले लोगों को आइस क्यूब से स्किन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं. ड्राई स्किन वाले लोगों को भी रोजाना आइस वॉटर से फेशियल करने से जलन की समस्या का सामना करना पड़ सकता है.4. स्किन का ब्लड फ्लो होता है प्रभावित आइस वॉटर फेशियल स्किन में ब्लड फ्लो को प्रभावित कर सकता है. यही वजह है कि आइस वॉटर फेशियल करते वक्त इन जरूरी बातों का हमेशा ध्यान रखा जाना चाहिए. अगर आपको पहले ही स्किन से जुड़ी कोई समस्या या बीमारी

सेहत के लिए अच्छा है योग, लेकिन इसे करते समय बरतनी चाहिए ये सावधानियां वरना हो सकता है नुकसान

योग को सेहत के लिए हमेशा ही अच्छा और लाभदायक माना गया है. योग करने से केवल फिजिकल नहीं बल्कि मेंटल हेल्थ भी इंप्रूव होती है और शारीरिक क्षमताएं बेहतर होती है. इसलिए योग भारत के साथ साथ अब दुनिया भर में लोकप्रिय हो गया है. आप योग करते हैं, ये अच्छी बात है लेकिन योग करने के भी कुछ खास नियम हैं जिनका पालन करना जरूरी कहलाता है. कई बार गलत तरह से किया गया योग सेहत के लिए नुकसानदेय साबित होता है. इसलिए जरूरी है कि योग करते समय इसके कुछ नियमों का सही से पालन किया जाए. चलिए जानते हैं कि योग करते समय किन किन सावधानियों का पालन करना चाहिए. योग करते समय इन बातों का रखें खास ध्यानयोग करते समय टाइम का खास ध्यान रखना चाहिए. योग करने का सही समय सुबह का समय है. कुछ लोग इसे दोपहर या रात के समय करते हैं लेकिन दोपहर और रात को योग करना गलत होता है. दरअसल सुबह के समय शरीर रिलेक्स होता है और पेट भी हल्का होता है. इसलिए सुबह के समय योग करना सही है. योग करते समय कुछ लोग पानी पीते रहते हैं. ये गलत है, योग करते समय पानी नहीं पीना चाहिए बल्कि योग के पंद्रह मिनट बाद पानी पीना चाहिए. दरअसल योग करते समय शरीर में जब ऊष्मा का स्तर बढ़ता है तो इस दौरान पानी पीने से ऊष्मा का स्तर गिर जाता है और शरीर को नुकसान होता है. इसलिए योग करते समय पानी पीना गलत है.योग का असर एक दिन में नहीं होता है. योग करते समय इस बात को ध्यान रखें कि इसका असर कुछ दिन बाद होता है. इसलिए धैर्य रखें और योग करते रहें.

योग करते समय इस पर पूरा फोकस करना चाहिए. अगर आप योग करते समय दिमाग को पूरी तरह फोकस नहीं करेंगे तो दिमाग और एकाग्रता को इसका लाभ नहीं मिलेगा. अगर योग कर रहे है तो चेतना के साथ करें और पूरे मन और उत्साह के साथ करें. इससे आपको योग का जल्दी लाभ मिलेगा.

रिलीज से पहले ही एनिमल पर हो रही पैसों की बरसात, धुंधाधार बिक रहे रणबीर कपूर की फिल्म के टिकट

संदीप रेड्डी वांगा की डायरेक्शनल और रणबीर कपूर स्टारर फिल्म एनिमलय्य काफी सुर्खियों में है. फिल्म के दमदार ट्रेलर रिलीज के बाद से ही फैंस इसकी रिलीज का इंतजार नहीं कर पा रहे हैं. वहीं इस बीच श्एनिमलय्य के पहले दिन के शो को देखने के लिए लोगों के बीच होड़ मची हुई है और इसी के चलते फिल्म की बंपर एडवांस बुकिंग भी हो रही है. चलिए यहां जानते हैं श्एनिमलय्य की अब तक प्री टिकट सेल में कितनी कमाई हो चुकी है. रणबीर कपूर स्टारर फिल्म एनिमल रिलीज से पहले ही धूम मचा रही है. फिल्म मेकर्स ने इस वीकेंड पर एनिमल की एडवांस टिकट बुकिंग शुरू की थी और इसे प्री टिकट सेल में ऑडियंस का शानदार रिस्पॉन्स मिला है. फिल्म की पहले दिन के लिए बंपर एडवांस बुकिंग हो रही है और रिलीज से पहले ही एनिमल मालामाल हो चुकी है. फिल्म के एडवांस टिकट बुकिंग कलेक्शन की बात करें तो रिपोर्ट के मुताबिक एनिमल के अभी तक सभी भाषाओं में 5 लाख 40 हजार 78 टिकट बिक चुके हैं. इसी के साथ रिलीज से पहले ही एनिमल ने एडवांस टिकट बुकिंग से 13 करोड़ 95 लाख की कमाई कर ली है.एनिमल की एडवांस टिकट बुकिंग रिपोर्ट बेहद ही शानदार है. एनिमल की डिमांड इतनी ज्यादा है कि कुछ सिनेमाघरों ने तो सुबह 7.30 बजे से ही शो शुरू करने का फैसला किया है. ट्रेड जगत के एक्सपर्ट एनिमल को रणबीर कपूर के करियर की सबसे बड़ी ओपनर होने का दावा कर रहे हैं. फिलहाल देखने वाली बात होगी कि एनिमल बॉक्स ऑफिस पर कितने रिकॉर्ड बनाती है? कबीर सिंह और अर्जुन रेड्डी फेम संदीप रेड्डी वांगा की डायरेक्शनल एनिमल में रणबीर कपूर के अलावा बॉबी देओल, रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर, तृप्ति डिमरी, शक्ति कपूर और

सुरेश ओबेरॉय समेत कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया है. फिल्म के म्यूजिक को भी काफी पसंद किया जा रहा है. ये फिल्म 1 दिसंबर को हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

बाक्स आफिस पर अच्छे नंबरों से पास हुआ 12वीं फेल, विक्रांत मैसी की फिल्म ने किया 50 करोड़ का जबरदस्त कलेक्शन

बॉलीवुड के बेहतरीन एक्टर्स की लिस्ट में शुमार विक्रांत मैसी की फिल्म 12वी फेल ने बॉक्स ऑफिस पर कामयाबी का एक नया परचम लहराया दिया है. दरअसल फिल्म में विक्रांत की एक्टिंग लोगों का खूब दिल जीत रही है. यही वजह है कि फिल्म ने रिलीज के छठे हफ्ते में ही 50 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया. चलिए जानते हैं फिल्म के टोटल कलेक्शन क्या है.

विधु विनोद चोपड़ा की 12वीं फेल ने हर किसी को गर्व करने का शानदार मौका दिया है. हाल ही में फिल्म को लेकर एक जबरदस्त अपडेट सामने आई है. जानकारी के अनुसार फिल्म ने अपने छठे हफ्ते में 50 करोड़ की कमाई का आंकड़ा पार कर

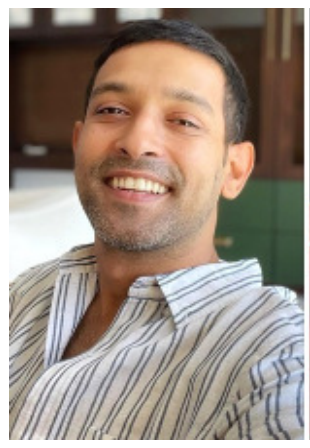

लिया है. 12वीं फेल वर्ड ऑफ माउथ का एक अच्छा उदाहरण बन गई है, क्योंकि इसकी आकर्षक कहानी ने देश भर में चर्चा छेड़ दी है और इसकी सफलता में अहम योगदान दिया है.विक्रांत मैसी की फिल्म का टोटल कलेक्शन अब 50.68 करोड़ हो गया है. जो एक कंटेंट ड्रिवेन सिनेमा के लिए एक शानदार सफलता का संकेत है. विक्रांत मैसी और मेधा शंकर स्टारर ये रियल लाइफ स्टोरी न सिर्फ लोगों के दिलों पर राज कर रही है, बल्कि इसे बॉक्स ऑफिस पर भी जोरदार जीत हासिल हुई है.12वीं फेलय्य के ये शानदार आंकड़े सामने आने के बाद ये कहना गलत नहीं होगा कि विक्रांत मैसी और मेधा शंकर की जबरदस्त परफॉर्मेंस ने इस मिडिल बजट में बनी फिल्म को बॉक्स ऑफिस सनसनी में बदल दिया है. बता दें कि फिल्म की कहानी 12वीं फेल उन लाखों छात्रों के संघर्ष पर आधारित है जो यूपीएससी प्रवेश परीक्षा देते हैं. विधु विनोद चोपड़ा द्वारा निर्देशित यह फिल्म अब हिंदी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ में सिनेमाघरों में रिलीज हुई है.।

वार 2 की रिलीज डेट हुई अनाउंस, 14 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी रितिक की फिल्म

सलमान खान–कैटरीना कैफ स्टारर श्टाइगर 3य की सक्सेस के बाद, फैंस वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की नेक्स्ट फिल्म श्वॉर 2य का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. वहीं अब मेकर्स ने फैंस को गुड न्यूज देते हुए श्वॉर 2य की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है. चलिए जानते हैं ऋतिक रोशन स्टारर फिल्म श्वॉर 2य किस दिन सिनेमाघरों में रिलीज होगी?

ऋ तिक रोशन–जूनियर एनटीआर स्टारर वॉर 2 की रिलीज डेट अनाउंस कर दी गई है. फिल्म ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने एक्स पर ट्वीट किया, ब्रेकिंगन्यूजज् वाईआरएफ ने वॉर 2 रिलीज की तारीख की घोषणा की. स्वतंत्रता दिवस वीकेंड 2025ज् वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की छठी फिल्म वॉर–2 अब रिलीज की तारीख हैज् बॉक्स ऑफिस पर तबाही के लिए तैयार हो जाइए. 14 अगस्त 2025,गुरुवार, अयान मुखर्जी ने फिल्म को डायरेक्ट किया है और वाईआरएफ द्वारा इसे प्रोड्यूस किया गया है.एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, वॉर, पठान और टाइगर 3 के बाद वॉर 2 वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की छठी फिल्म है. वॉर 2019 में रिलीज हुई थी और इसमें ऋ तिक रोशन, टाइगर श्रॉफ और वाणी कपूर ने लीड रोल प्ले किया था. फिल्म में ऋतिक ने मेजर कबीर धालीवाल की भूमिका निभाई ती.वॉर 2 को अयान मुखर्जी डायरेक्ट कर रहे हैं. फिल्म की स्टार कास्ट के बार में अभी ऑफिशियली पूरी जानकारी सामने नहीं आई है. हालांकि फिल्म में

ऋ तिक रोशन संग जूनियर एनटीआर के होने की खबर कंफर्म है. वहीं कुछ टाइम पहले से भी खबर आई थी कि फिल्म में कियारा आडवाणी भी होंगी. हालांकि इसे लेकर कुछ भी कंफर्म नही है.

गणपत के बाद रैम्बो पर टिका टाइगर के करियर का दारोमदार, क्या लगा पाएगी बेड़ा पार?

टाइगर श्रॉफ ने फिल्म हीरोपंती से अपना एक्टिंग करियर शुरू किया था। इसमें उनका एक्शन चर्चा में रहा।उनकी बागी जैसी फिल्मों में उनके एक्शन पर ही दर्शकों ने प्यार लुटाया।पिछली बार आई बड़े बजट की टाइगर की फिल्म गणपत का बॉक्स ऑफिस पर बुरा हश्र हुआ।अब खबर है कि रैम्बो में वह धमाकेदार वापसी करेंगे। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर टाइगर का खुमार वापस ला पाएगी या नहीं, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।फिल्म रैम्बो को लेकर एक बार फिर सुगबुगाहट शुरू हो गई है। खबर है कि इसमें टाइगर जोरदार एक्शन करते दिखेंगे और उनका रैम्बो वाला अवतार दर्शकों के होश उड़ाएगा।रिपोर्ट के मुताबिक, टाइगर मार्च, 2024 में इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। फिल्म के निर्माता सिद्धार्थ आनंद हैं, जो शाहरुख खान को लेकर पठान जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म दे चुके हैं।खबर है कि स्क्रिप्ट तैयार हो चुकी है और टाइगर फिल्म की तैयारी में जुट गए हैं।वरुण धवन के भाई रोहित धवन फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। वह और सिद्धार्थ एक्शन टीमों के साथ मिलकर फिल्म में ऐसे एक्शन दृश्य शामिल करने की सोच रहे हैं, जो हॉलीवुड फिल्म रैम्बो को पूरी टक्कर दे सकें।फिल्म काफी बड़े बजट में बन रही है। सिद्धार्थ और रोहित भारतीय दर्शकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए एक ऐसा देसी रैम्बो दर्शकों के बीच पेश करने वाले हैं, जो लंबे समय तक दर्शकों के जहन में रहेगा।

टाइगर का चयन इस फिल्म में काफी सोच समझकर किया गया है। उनकी पिछली फिल्में भले ही बॉक्स ऑफिस पर ढेर हो गई हों, लेकिन वह दर्शकों के बीच एक एक्शन स्टार बनकर उभरे हैं, वहीं मार्शल आर्ट में भी टाइगर माहिर हैं।वह दिग्गज हॉलीवुड अभिनेता सिल्वेस्टर स्टेलोन के बड़े प्रशंसक हैं। ऐसे में रैम्बो बनना उनके लिए एक सपने की तरह है। यही वजह है कि उन्होंने इसकी तैयारी में खुद को पूरी तरह से झोंक दिया है। हॉलीवुड एक्शन फिल्म रैम्बो के निर्देशक और हीरो सिल्वेस्टर ही थे। 2008 में आई इस फिल्म में उनके अभिनय, निर्देशन और एक्शन की खूब तारीफ हुई थी। टाइगर अब पहली बार अपनी किसी फिल्म के लिए हॉलीवुड स्टार के नक्शे–कदम पर चलने वाले हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, रैम्बो की शूटिंग से पहले टाइगर न तो सोशल मीडिया पर उतने सक्रिय रहेंगे और ना ही मीडिया के सामने फटकेंगे।दरअसल, निर्माता–निर्देशक चाहते हैं कि फिल्म में उनके लुक को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह बरकरार रहे, इसलिए इसे काफी समय तक गुप्त ही रखा जाएगा।खैर, ये हथकंडे कितने काम आएंगे, यह तो फिल्म की रिलीज के बाद ही पता चलेगा, क्योंकि टाइगर की असली परीक्षा फिल्म के सिनेमाघरों में आने के बाद ही होगी।टाइगर की फिल्म हीरोपंती 2, 70 करोड़ रुपये में बनी थी और यह फिल्म महज 35 करोड़ रुपये जुटा पाई थी। मुन्ना माइकल और अ फ्लाइंग जट भी फ्लॉप हो गई थी। इनके अलावा बागी 3 और गणपत को भी दर्शकों ने नकार दिया था।

मैंने अब तक अपने करियर में जो भी किया है, कड़क सिंह में उससे कुछ अलग है – संजना सांघी

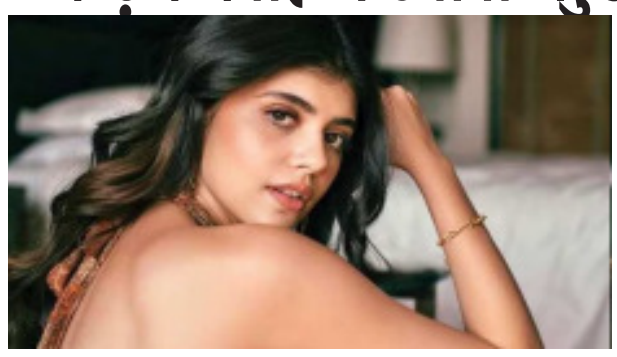

एक्ट्रेस संजना सांघी, जो अगली बार पंकज त्रिपाठी स्टारर फिल्म कड़क सिंह में नजर आएंगी, ने अपने किरदार के बारे में खुलासा करते हुए बताया कि वह खुद में अपने किरदार साक्षी को कैसे देखती हैं।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक अनिरुद्ध रॉय चौधरी द्वारा निर्देशित, पंकज को एके श्रीवास्तव के रूप में देखा जाएगा, जो भूलने की बीमारी से पीडिघ्त हैं। वह अपनी याददाश्त वापस पाने की कोशिश करते समय झूठ के जाल में फंस जाता है।

इस बारे में बात करते हुए कि यह भूमिका अब तक निभाई गई सभी भूमिकाओं से कितनी अलग है, 27 वर्षीय एक्ट्रेस ने कहा, वह एक प्यारी बहन, बेटी और जिम्मेदार बच्ची है, जो जिंदगी के हालातों के चलते अपनी उम्र से बड़ी हो गई है। कड़क सिंह में साक्षी का किरदार एक प्रमुख अभिनेता के रूप में मेरे करियर में किए गए किसी भी किरदार से अलग है।

अभी मेरे लिए शुरुआती दिन हैं, लेकिन मैं अपनी हर पसंद के साथ इसके लिए प्रयास करती हूं। मैं अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली महसूस करती हूं, जब फिल्म निर्माता किसी किरदार के लिए मुझ पर भरोसा करते हैं। मैं अपने उस हिस्से का इस्तेमाल करने की कोशिश करती हूं जिसे मैंने पहले कभी नहीं खोजा है क्योंकि मुझे सच में लगता है कि अगर ऐसा होता है, तो दर्शक भी इसे महसूस करेंगे।असल जिंदगी में आपका किरदार आपसे कितना अलग या करीब है?संजना ने शेयर कियारू जहां तक सतही स्तर पर साक्षी और मेरे बीच समानता की बात है तो कोई भी समानता नहीं है। लेकिन मुझे लगता है कि उसका भावनात्मक मूल, अपने परिवार के प्रति उसकी प्रतिबद्धता, उसकी जिम्मेदारी की भावना, उसकी भेद्यता और उसकी संवेदनशीलता वे सभी चीजें हैं जो मुझे वास्तव में हमारे बीच आम लगती हैं।उन्होंने कहा, ये गुण मेरे निर्माण के लिए एक सुंदर नींव बनाते हैं। मैं अपने अंदर साक्षी देखती हूं। संजना और साक्षी परस्पर जुड़ी हुई हैं। यह हमेशा दोनों तरह से चलता है। मैं हमेशा कहती हूं कि आप जैसे हैं

और जो किरदार आप निभाते हैं, वह शादी की तरह है।हमेशा एक–दूसरे पर एक–दूसरे का प्रतिबिंब दिखता है।फिल्म में पंकज, संजना, पार्वती थिरुवोथु, जया अहसन, परेश पाहुजा और वरुण बुद्धदेव जैसे कलाकार एक साथ नजर आएंगे। इसका प्रीमियर 8 दिसंबर को जी5 पर होगा।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की थ्रिलर फिल्म का हिस्सा बनीं प्रिया बापट, शुरू की शूटिंग

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने कुछ समय पहले अपनी नई थ्रिलर फिल्म का ऐलान किया था, जिसकी कहानी 90 के दशक पर आधारित होगी।फिलहाल अभी इस फिल्म के शीर्षक की घोषणा नहीं की गई है।फिल्म का निर्देशन सेजल शाह द्वारा किया जाएगा तो वहीं विनोद भानुशाली इसके निर्माता हैं।अब प्रिया बापट इस थ्रिलर फिल्म की स्टार कास्ट से जुड़ चुकी हैं और उन्होंने नवाज के साथ फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। प्रिया ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें नवाज और निर्माताओं के साथ नजर आ रही हैं।नवाज के साथ काम करने को लेकर प्रिया ने कहा, जिस दिन मैंने इस फिल्म की कहानी सुनी, उसी दिन से मैं इस थ्रिलर फिल्म का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित थी। नवाजुद्दीन संग काम करना एक सपने जैसा है, जो सच हो गया है। अब अपनी आगामी फिल्म को लेकर प्रिया ने कहा, मैंने जब से इस फिल्म की कहानी सुनी और पता चला कि नवाजुद्दीन के साथ काम करने का मौका मिलेगा, तब से मैं बेहद उत्साहित हूं। इस फिल्म का हिस्सा बनते हुए बेहद खुशी हो रही है। प्रिया के मुताबिक इसकी स्क्रिप्ट बहुत शानदार है। 1990 के दशक की थीम पर होने की वजह से यह फिल्म आपकी पुरानी यादें ताजा कर देगी। निर्देशक सेजल शाह ने दोनों सितारों की केमिस्ट्री के बारे में बताते हुए कहा, मैं प्रिया बापट के साथ काम करके उत्साहित हूं। वह उम्दा कलाकार हैं। वह किरदार को बिल्कुल वास्तविक अंदाज में पेश करती हैं। उनकी और नवाजुद्दीन की केमिस्ट्री भी काफी जबर्दस्त है। यह सस्पेंस और ड्रामा की रोमांचक यात्रा पर ले जाने वाली फिल्म है। प्रिया मराठी सिनेमा

की जानी–मानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने 2000 में मराठी फिल्म डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। 2003 में प्रिया ने बॉलीवुड का रुख किया और उन्होंने मुन्ना भाई एमबीबीएस में अपनी मौजूदगी दर्ज करवाई।

अपकमिंग फिल्म मटका के लिए तैयार वरुण तेज, दिसंबर के पहले हफ्ते में शुरू होगी शूटिंग

एक्ट्रेस लावण्या त्रिपाठी से शादी के बाद एक्टर वरुण तेज वर्क मोड में आ गए हैं। वह फिलहाल अपनी आने वाली फिल्म मटका की तैयारियों में लगे हुए हैं, जो एक पीरियड एक्शन ड्रामा है।मटका की शूटिंग दिसंबर के पहले हफ्ते में शुरू होने वाली है। फिल्म में 9 जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस होंगे और इन सीन्स को जीवंत बनाने के लिए वरुण चार स्टंट कोरियोग्राफरों के साथ काम करेंगे। यह फिल्म 1958–1985 के वर्षों की विशाखापत्तनम की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में जटिल रूप से बुनी गई है।

फिल्म के बारे में तेज ने कहा, मटका एक पीरियड ड्रामा है जो मेरे दिल के बहुत करीब है। हम सभी ने बहुत मेहनत की है और मुझे यकीन है कि

हर कोई इसका आनंद उठाएगा। मैं ऑपरेशन वैलेंटाइन का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं, आप दोनों फिल्मों में भरपूर एक्शन और एंटरटेनमेंट की उम्मीद कर सकते हैं। विजन को प्रामाणिक रूप से पकडने के लिए, प्रोडक्शन टीम हैदराबाद के बाहरी इलाके में विशाखापत्तनम के पुराने शहर (वन टाउन क्षेत्र) की नकल करते हुए एक विशाल सेट का निर्माण कर रही है। करुणा कुमार द्वारा निर्देशित इस फिल्म में मीनाक्षी चौधरी भी मुख्य भूमिका में हैं।फिल्म में अपने किरदार में फिट बैठने के लिए एक्टर ने पिछले छह महीने कड़ी वर्कआउट की हैं। मटका का निर्माण व्यारा एंटरटेनमेंट्स बैनर पर मोहन चेरुकुरी (सीवीएम) और विजेंदर रेड्डी टीगाला द्वारा किया गया है, जिसमें जी.वी. प्रकाश कुमार म्यूजिक कंपोजर हैं।हाल ही में, वरुण ने इटली के टस्कनी में लावण्या से शादी रचायी। नवंबर की शुरुआत में यह कपल हैदराबाद लौटा।

बदन पर सितारे लपेटे हुए मलाइका अरोड़ा ने कराया हाट फोटोशूट, टापलैस होकर दिए ऐसे-ऐसे पोज

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने बेशक एक्टिंग की दुनिया में खुद को साबित न कर पाई हो, लेकिन उन्होंने हर आइटम सॉन्ग में खूब कमाल जरूर दिखाया है. मलाइका अपने लुक्स, फिटनेस और निजी जिंदगी जैसी तमाम चीजों के कारण अक्सर ही चर्चा में रहती हैं. खासतौर पर उनकी हॉटनेस ने दुनियाभर के लोगों को उनका दीवाना बनाया है. ऐसे में एक्ट्रेस का हर नया अंदाज सोशल मीडिया पर वायरल हो जाता है.सोशल मीडिया पर मलाइका अरोड़ा खूब एक्टिव रहती हैं. वह फैंस के साथ अपनी हर अपडेट साझा करती हैं. वहीं उनके अलग–अलग लुक्स भी लोगों को दीवाना बना देते हैं. एक बार फिर उन्होंने अपने हॉट लुक को शेयर करके इंटरनेट का पारा हाई कर दिया है. एक्ट्रेस की फोटोज तेजी से वायरल हो रही हैं.मलाइका अरोड़ा ने अमित अग्रवाल का बोल्ड आउटफिट कैरी किया है. एक्ट्रेस ने पैरेट ग्रीन कलर का शृग पहना है, जो आगे से ओपन है. वहीं श्रृग के अंदर एक्ट्रेस ने कुछ नहीं पहना है.

जाति और मजहब के नाम पर देश बाटने वाले विकास विरोधी–सांसद

ब्यूरो

देवरिया (उ0प्र) देवरिया जिले मे विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सुना।जिसका सीधा प्रसारण सदर सांसद डा.रमापतिराम त्रिपाठी ने तरकुलवा ब्लॉक के विशुनपुर भूपति ग्राम सभा मे ग्रामवासियों के साथ एलईडी वैन के माध्यम से देखा। इसके बाद उन्होंने सम्बोधित करते हुये कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से हमें प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चलाई जा रही सभी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उनके लाभार्थियों तक पहुंचानी है।आज

जिस प्रधानमंत्री महिला किसान ड्रोन केंद्र की शुरुआत पीएम के द्वारा हुई है,वो हमारी बहनों को आत्मनिर्भर बनाने में बहुत मददगार साबित होने वाला है।जाति और मजहब के नाम पर देश को बांटने वाले लोग विकास विरोधी हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश पूरी दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नये भारत का निर्माण हो रहा है। एक ऐसा भारत जो कि गुलामी की मानसिकता से बाहर निकल रहा है और अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करता है। विकसित भारत यात्रा में गोद भरायी और अन्नप्राशन भी हुआ तरकुलवा के विशुनपुर भूपति में विकसित भारत संकल्प यात्रा के पहुचने और लाभार्थियों से प्रधानमंत्री के संवाद को सुनने के बाद सदर सांसद डा. रमापतिराम

त्रिपाठी ने ब्लॉक प्रमुख रामअशीष गुप्ता और पूर्व जिला पंचायत प्रतिनिधि राजू भारती के साथ गर्भवती महिलाओं की गोद भरायी और बच्चों को अन्नप्राशन कराया।इसके बाद ड्रोन के माध्यम से खेतों में किटनाशक दवा छिड़काव करने के ट्रायल को भी देखा।

यातायात माह नवंबर समापन के अवसर पर श्रेष्ठ कार्य करने वालो को किया गया सम्मानित

ब्यूरो

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले मे यातायात माह नवंबर 2023 के समापन के अवसर पर श्रेष्ठ कार्य करने वालों को पुलिस लाइन प्रेक्षागृह में सम्मानित किया गया वहीं पुलिस अधिकारियों एवं वरिष्ठ जन सुरक्षित सफर के लिए नियमों के पालन करने की सीख दी। अपर पुलिस अधीक्षक राजेश सोनकर जी ने छात्र–छात्राओं और वरिष्ठ नागरिकों से अपील की कि वह सभी अपने सुरक्षित जीवन के लिए सफर के दौरान यातायात नियमों का अनुपालन जरूर करें।सभागार में मौजूद सभी बच्चों को बिना ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन नहीं चलाने को कहा। उन्होंने बगैर ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चलाने और कोई दुर्घटना होने पर नुकसान के कारण भी गिनाए। उन्होंने बच्चों से कहा कि आप जब बाइक लेकर घर से निकलते हो तो माता–पिता आपके सुरक्षित लौटने की प्रतीक्षा में रहते हैं। इसलिए उनकी उम्मीद को मत तोड़िए, हेलमेट लगाइए कार पर सवार कर रहे हैं तो सीट बेल्ट का

प्रयोग जरूर करिए।यदि आपके पिता या भाई बाइक लेकर बिना हेलमेट के घर से निकल रहे हैं तो उनकी चाबी निकाल लें और उन्हें हेलमेट देकर कहें कि सुरक्षित लौटने के लिए इसका प्रयोग जरूर करें। उन्होंने छात्र–छात्राओं को समझाया की चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें एवं बाइक पर सफर करने के दौरान हेलमेट लगाने से कई तरह की सुरक्षा मिलती है। मार्ग पर उड़ने वाली कंकड़ युक्त धूल से आंख और चेहरा दोनों सुरक्षित रहता है। उन्होंने कहा कि हेलमेट में लगे शीशे से व्यक्ति की आंख को विभिन्न कीटाणु से भी सुरक्षा मिलती है। कार्यक्रम में ट्रैफिक क्षेत्रधिकारी अंशुमन श्रीवास्तव ने भी छात्र–छात्राओं को यातायात नियम के प्रति समझाया। उन्होंने पूरे माह में हुए जागरूकता कार्यक्रम और कार्रवाइयों के विवरण को विस्तार से प्रस्तुत किया। इस दौरान ।त्ज्ब देवरिया ने भी यातायात नियमों को लेकर बच्चों को कई तरह की जानकारी दी एवं अनुभव साझा किया। यातायात माह में सबसे अधिक कार्यक्रम एवं चालान की कार्रवाई करने वाले पुलिस कर्मियों को अपर पुलिस अधीक्षक ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया, उनका हौसला बढ़ाया। इस दौरान आम जनता में प्रशांत श्रीवास्तव, घनश्याम मणि को भी जागरूकता कार्यक्रम में सहभागिता के लिए अधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया।इसी कड़ी में यातायत प्रभारी गुलाब सिंह,ज्ैप् अमित पांडेय,ज्ैप् ओमप्रकाश सिंह, मुख्य आरक्षी सफदर अली, मुख्य आरक्षी रामभजन यादव, मुख्य आरक्षी

अनिल कुमार,आरक्षी प्रमोद यादव,आरक्षी प्रदीप यादव, आरक्षी संजय सिंह, होमगार्ड जय प्रकाश, होमगार्ड जनार्दन राव,च्त्क प्रदीप कुमार,च्त्क हरीश चंद्र कुशवाहा आदि पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया गया।

कृष्णचंद्र चौधरी गए मण्डल में सुनील कुमार को जिले की बागडोर

संवाददाता। गोरखपुर(उ0प्र0) विगत दिनों भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार समन्वय समिति और सोशल मीडिया पत्रकार महासंघ की हुई बैठक में सर्वसम्मति से कृष्णचंद्र चौधरी को गोरखपुर मण्डल का प्रभारी बनाया गया। श्री चौधरी अभी तक गोरखपुर जिले का कार्यभार देख रहे थे। उनके मण्डल में चले जाने से रिक्त हुए स्थान पर सुनील कुमार पाण्डेय को 2024 सत्र के लिए सर्वसम्मत जिलाध्यक्ष चुना गय। इनके चुने जाने पर संगठन के संस्थापक व चेयरमैन सरदार दिलावर सिंह ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई है कि इससे संगठन का कार्य द्रुत गति से बढ़ेगा। इस मनोनयन पर संगठन के गोरखपुर मण्डल के अध्यक्ष डॉक्टर सतीश चंद्र शुक्ला, जिला अध्यक्ष देवरिया श्यामानंद पाण्डेय, जिला उपाध्यक्ष रमेश चंद्र शुक्ला, मण्डल मंत्री पवन कुमार गुप्ता, आशीष मिश्रा उर्फ श्याम जी, दिनेश कान्त मिश्रा, अमरजीत पासवान, चंद्रभूषण उपाध्याय, दयाशंकर प्रसाद, प्रदीप कुमार, झिनकू दुबे, राकेश कुमार शर्मा, पंचानंद पाण्डेय, दुर्गेश मिश्रा, राजकुमार मोदनवाल आर्य, हरिदत्त शर्मा, अशोक कुमार, सूरजदीप तिवारी, शैलेश पाण्डेय, दीनानाथ यादव आदि ने उन्हें बधाई दी है और संगठन को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई है।

एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

संवाददाता

देवरिया। बुधवार को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के गोरखपुर शाखा कार्यालय द्वारा देवरिया के कृष्णा टेक्निकल इंस्टीट्यूट में एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 70 प्रतिभागी उपस्थित थे जिनको उद्यमिता के मुख्य विषय जैसे उद्यमी के गुण, उद्यमी बनने के फायदे, उद्यम अवसर की पहचान एवं चयन, उद्यम स्थापना प्रक्रिया, समस्या समाधान, मार्केटिंग, किस कार्य के लिए किससे मिले, के.वी.आई.सी., जिला

उद्योग केंद्र, बैंक आदि के माध्यम से सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओ, ऋण–प्रक्रिया, उपलब्धि अभिप्रेरणा, कार्यशील पूजीं प्रबंधन, लेखा–जोखा, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, एवं औद्योगिक भ्रमण, ग्राहक प्रबंधन आदि विषयों की जानकारी दी गयी तथा उनके द्वारा उद्यम स्थापना हेतु बैंक से वित्तीय सहयोग, लोन प्रोसेस, सरकारी स्कीम इत्यादि के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में आनंद मनी, निदेशक, कृष्णा टेक्निकल तथा ईडीआईआई के परियोजना अधिकारी मुकुल वेदी व विजय कुमार पाण्डेय और अन्य वक्ताओं द्वारा प्रतिभागियों को उद्यमिता के बारे जानकारी दी गई। ई.डी.आई. के परियोजना अधिकारी मुकुल वेदी ने कहा कि परम्परागत शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों को नौकरी प्राप्त करना काफी मुश्किल है द्य ऐसे में स्वरोजगार कर न सिर्फ अपने लिए रोजगार पैदा करेगे बल्कि दुसरे लोगो को भी रोजगार देंगे। श्री पाण्डेय ने ई.डी.आई. द्वारा देश भर में चलाये जा रहे अन्य कार्यक्रमों की भी जानकारी दी। टेराकोटा कम्पनी के सीईओ ओमप्रकाश ने अभिनव ,ऊष्मायन और सक्रियण जैसे स्टार्टअप के लिए केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओ पर प्रकाश डाला गया। प्रशिक्षक राहुल शर्मा ने आर्थिक विकास के लिए रणनीतियो पर चर्चा करते हुये कहा कि रोजगार पैदा करने का सबसे महत्वपूर्ण तंत्र और उपकरण उद्यमिता है। इसके साथ ही इस कार्यशाला मे विजय कुमार पाण्डेय ने छात्रो को बताया कि कैसे सरकार किसी भी स्टार्टअप की लिए छात्रो के बिचारो का समर्थन करती है। कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षण केंद्र के [illegible] ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।

400 कैडेट्स एन सी सी को नागरिक सुरक्षा का एक दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया

झांसी! उप नियंत्रकके निर्देशानुसार यू.पी.32 गर्ल्स एन.सी सी बटालियन पर 400 कैडेट्स को वरिष्ठ सहायक उप नियंत्रक सुनील कुमार सिंह द्वारा नागरिक सुरक्षा का एक दिवसीय प्रशिक्षण

प्रदान किया गया जिसमें पल्लवी साहू सेक्टर वार्डन द्वारा बचाव की आपात कालीन बिधियो का प्रदर्शन भी किया गया इस अवसर पर डिविजनल वार्डन भूपेंद्र खत्री द्वारा भी आपदा से बचाव पर प्रकाश डाला गया इस अवसर पर डिप्टी डिविजनल वार्डन अंबिका श्रीवास्तव राजेंद्र कुमार एवम नीलम खत्री भी उपस्थित रही।

धूमधाम से मनी क्रांतिकारी गेंदालाल की जयंती

संवाददाता।

भरुआ सुमेरपुर । वर्णिता संस्था के तत्वावधान में स्वाधीनता संघर्ष और मैनपुरी संग्राम के पुरोधा पं. गेंदालाल दीक्षित की जयंती मनाई गई। संस्था के अध्यक्ष डा. भवानीदीन ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये कहा कि पं गेंदालाल दीक्षित का जन्म आगरा की बाह तहसील के ग्राम मई में हुआ था। यह भारत के क्रांतिकारियों के द्रोणाचार्य माने जाते है। उन्होंने शिवाजी समिति बनायी और युवाओं को राष्ट्र धर्म से जोडा। अंग्रेजों से मुकाबले के लिये राजनैतिक डकैतियां डाली,ताकि हथियार खरीद कर सामना किया जा सके। बिस्मिल से भेंट के बाद इनकी क्रांतिकारी संस्था मातृवेदी मे बदल गयी। इस संस्था में हथियारबंद नौजवान थे। इसमें चंबल के 30 बागी सरदार भी थे। दीक्षित जी ने थाने मे डकैती डाली। जिसमें 21 पुलिस वाले मारे गये। इन्होंने देश के कई भागों एवं सिंगापुर का दौराकर 21 फरवरी 1915 को पूरे देश में क्रांति की तारीख निश्चित की।।

तेज गर्जना से फुंका ब्रेकर मुख्यालय सहित कई फीडरो की आपूर्ति रही ठप

सुमेरपुर–हमीरपुर । बीती रात बारिश के साथ तेज गर्जना होने से 33 केवी लाइन में जगह–जगह फाल्ट आने से मुख्यालय, कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्रों की बिजली 10 घंटे गुल रही। इस वजह से सुबह कई जगहों पर जलापूर्ति नहीं हो सकी। बीती रात 12 बजे मौसम के अचानक पलटी मारने के बाद शुरू हुई बारिश के मध्य तेज गर्जना के चलते 33 केवी लाइन में जगह–जगह फाल्ट आने से मुख्यालय, कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्रों की आपूर्ति 10 घंटे गुल रही। सुबह मरम्मत के बाद सभी फीडरो की आपूर्ति 10 बजे के बाद शुरू हो सकी। कस्बे के 132 केवी सब स्टेशन से हमीरपुर, सुमेरपुर, बिवांर, मौदहा, सिसोलर को आपूर्ति दी जाती है। रात में तेज गर्जना के चलते मुख्यालय को गई 33 केवी लाइन का ब्रेकर फुंक जाने से आपूर्ति ठप हो गई। इसी तरह सुमेरपुर, पौथिया, बिवांर, सिसोलर, मौदहा को 132 केवी से गई 33 केवी लाइन की जगह–जगह इंसुलेटर फुंक जाने तथा तार टूट जाने से आपूर्ति बाधित हो गई। सुबह सभी लाइनों के मरम्मत का कार्य कराकर 10 बजे के बाद आपूर्ति बहाल की गई। सुबह बिजली गुल रहने से कस्बा सहित कई जगहों पर जलापूर्ति न होने से लोग परेशान रहे। सुमेरपुर के एसडीओ एसपी मिश्रा ने बताया की मरम्मत के बाद सभी फीडरो की आपूर्ति नार्मल है। बारिश और आकाशीय गर्जना से आपूर्ति बाधित हुई थी।

विशाल भंडारे के साथ इटरा का तीन दिवसीय मेला संपन्न

संवाददाता।

भरुआ सुमेरपुर । गुरुवार को विशाल भंडारे के साथ इटरा के बजरंगबली मंदिर के तीन दिवसीय मेले का समापन हो गया। भंडारे में सर्वप्रथम साधु संतों व कन्याओं को प्रसाद ग्रहण कराकर संत परंपरा का निर्वहन करते हुए ससम्मान विदाई देकर विदा किया गया। इसके बाद आम जनमानस को बैठाकर प्रसाद ग्रहण कराया गया। इटरा के बजरंगबली मंदिर के तीन दिवसीय मेले का गुरुवार को विशाल भंडारे के साथ समापन हो गया। आश्रम के महंत स्वामी वेदानंद सरस्वती उर्फ बलराम बाबा ने मंदिर में भोग अर्पित करने के उपरांत साधु संतों व कन्याओं को प्रसाद ग्रहण कराकर संतो को संत परंपरा के तहत विदाई देकर विदा किया। इसके बाद आम जनमानस को बैठाकर प्रसाद ग्रहण कराया गया। शाम तक भंडारे में हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे को संपन्न कराने में कमलेश यादव, गुड्डू योगी, राजू गुप्ता, अतुल पंडित, आर्यन गुप्ता, सूर्यांश गुप्ता, भूरा गुप्ता, ब्रह्मदेव, शनि, दीपक पंडित आदि ने मौजूद रहकर सहयोग प्रदान किया। मंदिर के महंत स्वामी वेदानंद सरस्वती उर्फ बलराम बाबा ने सभी दानदाताओं, प्रशासन और भक्तों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि बजरंगबली की कृपा से प्रतिवर्ष की तरह इस साल भी मेला शांतिपूर्वक संपन्न हो गया।

गुजरात से शादी समारोह में आई दो बहन हुई गायब

(मथुरा)(ए.के.शर्मा) थाना जैंत क्षेत्र के गांव छटीकरा में शादी समारोह में आई दो बहने गायब हो गई। पीड़ित पिता ने थाना जैंत पर गुमशुदगी दर्ज कराई है। पुलिस युवतियों की खोजबीन के जुट गई है। दोनों युवतियां गुजरात से मथुरा अपने परिचितों के पास अपने परिवार सहित शादी समारोह में आई थी। शादी स्थल छटीकरा के आनंदा वैली मैरिज होम में शादी होनी थी। सोमवार को आनंदा वैली से अचानक दोनों बहने गायब हो गई। युवतियों के पिता सीताराम निवासी नीलकंठ महादेव मन्दिर, श्री शंकराचार्य मठ घनेरा गुजरात निवासी ने अपनी पुत्री खुशबू (21 वर्ष) व संध्या (18 वर्ष) की सोमवार शाम को अपनी दोनों बेटियों के गायब होने की थाना जैंत पर तहरीर दी। जैंत पुलिस ने दोनों युवतियों के गायब होने की दो दिन बाद गुमशुदगी दर्ज की। पुलिस फिलहाल दोनों युवतियों की खोजबीन में जुटी हुई है। थाना प्रभारी अजय वर्मा ने बताया दोनों युवतियों की गुमशुदगी दर्ज कर खोजबीन की जा रही है।

मथुरा की पंजाबी कॉलोनी में युवक की पत्थर से प्रहार कर हुई हत्या

मथुरा। पत्थर से प्रहार कर युवक की हत्या कर दी गई। युवक का जनरल गंज स्थित पंजाबी कॉलोनी तिलक नगर में गुरुवार की सुबह लोगों ने पकडा देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में ले लिया। मृतक युवक की शिनाख्त छत्ता बाजार कोयला गली निवासी अंकुर यादव के रूप में हुई है। शव मिलने की सूचना पर मौके पर भारी संख्या में भीड़ एकत्रित हो गयी। मृतक 25 वर्षीय अंकुर यादव पुत्र मुकेश यादव का शव कॉलौनी के 18 नंबर क्वार्टर के पीछे रेलवे लाइन के निकट कचरा में पडा हुआ था। शव के मुंह पर एक पत्थर रखा हुआ था संभवत: उसी से उसकी हत्या की गई है। प्रात:काल उधर से गुजर रही महिला सफाई कर्मी ने कचरा में लाश पड़ी देखकर कॉलौनी के लोगों को मौके पर बुला लिया। उन्होंने क्षेत्रीय चौकी प्रभारी अनुज त्रिपाठी को सूचना दी। कोतवाली प्रभारी भी मौके पर आ गये। पुलिस मृतक के परिजनों से जानकारी में जुटी है। शव पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया है।

दलहनी तिलहनी फसलों के लिए मील का पत्थर साबित होगी बारिश

– गेहूं की बुवाई हुई प्रभावित

संवाददाता।

सुमेरपुर–हमीरपुर । बीती रात क्षेत्र में हुई झमाझम बारिश से दलहनी एवं तिलहनी फसलों को जीवनदान मिल गया है। बारिश से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। किसानों का कहना है कि धुरिया की फसल के लिए यह बारिश मील का पत्थर साबित होगी। बीती रात मौसम ने अचानक पलटी मारी और रात 12 बजे के बाद तेज हवाओं के साथ पूरे क्षेत्र में रिमझिम बरसात शुरू हो गई और तड़के 4 बजे तक रुक–रुक कर बारिश होती रही। इस बारिश का सबसे ज्यादा फायदा मटर, मसूर, चना, सरसों, अलसी, जौ आदि फसलों को होगा। विशेषकर उन जगहों के लिए बारिश बरदान की तरह है जिन जगहों पर सिंचाई के कुछ साधन नहीं है। किसानों ने कहा कि यह बारिश दलहनी एवं तिलहनी फसलों के लिए मील का पत्थर साबित होगी। वहीं अचानक बारिश हो जाने से गेहूं की बुवाई का कार्य प्रभावित हो गया है। किसानों के अनुसार सरसों, अलसी, चना, मटर, मसूर की फसलों को बेहद कम पानी की जरूरत होती है। हल्की बरसात होने से फसलों की सेहत बदल गई है।

आर्य समाज की नींव रखने वाले रामेश्वर गुप्ता का निधन

सुमेरपुर–हमीरपुर । सुमेरपुर कस्बे में आर्य समाज की नींव रखने वाले रामेश्वर प्रसाद आर्य की डेंगू बुखार के चलते कानपुर में एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान गुरुवार को दोपहर में निधन हो गया। शव देर शाम कानपुर से कस्बे लाया गया। शुक्रवार को सुबह आर्य सत्संग भवन के समीप इनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। सुमेरपुर कस्बे के मैथिलीशरण गुप्त मार्ग निवासी रामेश्वर प्रसाद गुप्ता (82) वर्ष कस्बे में आर्य समाज की नींव रखी थी। विगत दिनों डेंगू बुखार से ग्रसित होने पर इनको उपचार के लिए कानपुर में भर्ती कराया गया था। गुरुवार को दोपहर इलाज के दौरान कानपुर में उनका निधन हो गया। उनके इकलौते पुत्र डॉ विवेक आर्य ने बताया कि शुक्रवार को सुबह कस्बे के सत्संग भवन के समीप निजी खेत में इनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। रामेश्वर आर्य के निधन की सूचना से आर्य समाज से जुड़े पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं में शोक की लहर है।

प्रमाण पत्र देते सांसद व अधिकारीगण। –जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने सुखमय जीवन की कामना के साथ दिए उपहार

संवाददाता।

चित्रकूट । मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत गुरुवार को राष्ट्रीय रामायण मेला परिसर सीतापुर में 184 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। जनप्रतिनिधियों समेत अफसरों ने फूलों की वर्षा कर वर–वधू को आर्शीवाद दिया।शादी समारोह के दौरान सांसद ने कहा कि प्रभु कामतानाथ की पावन धरा पर मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम संपन्न हुआ। सभी जोड़े सुखमय जीवन व्यतीत करें। बताया कि प्रत्येक वर्ष जनपद में लगभग एक हजार गरीब पुत्री की शादी कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि कन्या सुमंगला समेत अन्य जन कल्याणकारी योजनाएं लागू है। जिसका लाभ उठाएं। भाजपा जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी ने कहा कि प्रदेश सरकार की मंसा है कि लोगों की शादी में खर्चा कम हो। इस उद्देश्य से सामूहिक विवाह योजना लागू की गई है। जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने वैवाहिक जोड़ो को जयमाला के दौरान पुष्प वर्षा कर शुभकामनाएं दी। तत्पश्चात प्रमाण पत्र व सामग्री प्रदान की। गायत्री शक्तिपीठ के व्यवस्थापक रामनारायण त्रिपाठी की टीम ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विवाह कराया। एक जोड़े का मुस्लिम समुदाय एवं सात जोड़ा का बौद्ध समाज के रीतिरिवाज से विवाह हुआ। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक साकेत बिहारी शुक्ल ने किया। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से पंजीकृत दल मां भगवती संगीत पार्टी ने कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया ने जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। तत्पश्चात अतिथियों ने दिव्यांगों को ट्राई साइकिल का वितरण भी किया। विवाह समारोह में ब्लाक प्रमुख पहाड़ी सुशील द्विवेदी, रामनगर गंगाधार मिश्रा, सांसद प्रतिनिधि शक्ति प्रताप सिंह तोमर, भाजपा नेता तीरथ प्रसाद, सदर एसडीएम सौरभ यादव, डीसी एनआरएलएन ओमप्रकाश, डीएसओ आनंद कुमार सिंह, ईओ लाल जी यादव, नगर पंचायत मानिकपुर ईओ भारत सिंह आदि मौजूद रहे।

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।